वाराणसी
शुक्रवार 05 सितम्बर से गुरुवार 11 सितम्बर 2025
वर्ष : 1 अंक : 3
मूल्य : 4.00 रुपए
पृष्ठ : 08
PRGI No. UPHIN/25/A2219
info@ujalasanchar.com

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

उजाला संचार

मौसम
सूर्योदय : 5.53
सूर्यास्त : 6.27

वाराणसी से प्रकाशित तथा लखनऊ, बरेली, कानपुर, प्रयागराज, चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, गोरखपुर, भदोही, देवरिया सहित यूपी, बिहार, दिल्ली से प्रसारित

जीएसटी 2.0 पर सियासत

भाजपा ने बताया ऐतिहासिक कदम, सपा बोली- जनता के मन की बात सुने सरकार

लखनऊ। जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में लिए गए सुधारों को लेकर सियासत शुरू हो गई है। भाजपा ने इस फैसले को जनता के हित में बताया, जबकि सपा ने जीएसटी स्लैब को लेकर सवाल किया है। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इस फैसले से हर सेक्टर को गति और ऊर्जा मिलेगी।

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जयवीर सिंह ने जीएसटी की दरों में बदलाव पर आईएएनएस से बातचीत में कहा, मैं केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने जनहित, राष्ट्रहित, मध्यमवर्ग और गरीबों के हित में यह बड़ा निर्णय लिया है। रोजमर्रा की जरूरत की

चीजें, जन-उपयोगी वस्तुएं, किसानों के काम आने वाले सामान और इस तरह की बुनियादी वस्तुओं पर जीएसटी को कम करने या खत्म करने का जो निर्णय लिया गया है, उससे एक ओर जहां नया वित्तीय संसाधन उपलब्ध होगा और पैसों का सकुर्लेशन बढ़ेगा, वहीं गरीबों को सीधी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि जीएसटी स्लैब में बदलाव देशहित में लाभकारी साबित होगा। केंद्र सरकार ने दीवाली से पहले गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को बड़ा तोहफा दिया है। मुझे लगता है कि चाहे एमएसएमई सेक्टर हो या वित्तीय संसाधनों का प्रवाह हो, इस फैसले से दोनों को नई गति और ऊर्जा मिलेगी।

मंत्री जयवीर सिंह ने कहा, हम हिसाब दे रहे हैं। जो वित्तीय संसाधन उपलब्ध हुए, टैक्सेशन में जो लीकेज रोके गए और चोरी पर नियंत्रण हुआ, उसी का परिणाम है कि एकसमान टैक्सेशन व्यवस्था से भारत की मुद्रा भंडार बढ़ी। टैक्सेशन से जो पैसा आया, उससे विकास के काम तेज हुए और देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त हुआ।

जीएसटी सुधारों से केंद्र को जीडीपी का केवल 0.05 प्रतिशत नुकसान हो सकता है

नई दिल्ली। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार द्वारा घोषित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में व्यापक बदलावों का सार्वजनिक वित्त पर मामूली प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि केंद्र पर केवल 18,000 करोड़ रुपए का राजकोषीय बोझ पड़ने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वित्त वर्ष 26 के लिए भारत के अनुमानित जीडीपी का केवल 0.05 प्रतिशत है। 3 सितंबर को, सरकार ने प्रमुख जीएसटी सुधारों की घोषणा की, जिसमें कर स्लैब की संख्या कम की गई और कई वस्तुओं पर दरें कम की गईं।

कांग्रेस बच्चों की टॉफी पर भी टैक्स लेती थी: मोदी

बोले- लोगों के घर का बजट बिगड़ा था, दिवाली-छठ पूजा से पहले खुशियां डबल कीं

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने गुरुवार को कहा कि हमने आजादी के बाद का अब तक का सबसे बड़ा फैसला लिया है। कांग्रेस बच्चों की टॉफी पर भी टैक्स लेती थी। लोगों के घर का बजट बिगड़ा हुआ था। समय पर बदलाव के बिना, हम अपने देश को आज की वैश्विक स्थिति में उसका उचित स्थान नहीं दिला सकते। मैंने इस बार 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अगली पीढ़ी के सुधार करना बेहद जरूरी है। मैंने देशवासियों से यह वादा भी किया था कि इस दिवाली और छठ पूजा से पहले खुशियों की दोहरी बौछार होगी। पीएम मोदी ने कहा, जीएसटी आजाद भारत के सबसे बड़े आर्थिक सुधारों में से एक था। इससे एक तरफ देश के आम लोगों का पैसा बच रहा है तो दूसरी तरफ देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। आठ साल पहले जब जीएसटी लागू हुआ था, तो कई दशकों का सपना साकार हुआ था। यह चर्चा मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद शुरू नहीं हुई। ये चचाएँ पहले भी होती थीं, लेकिन कभी कोई काम नहीं हुआ।

रोटी, पराठा, दूध, हेल्थ-लाइफ इंश्योरेंस टैक्स फ्री

जीएसटी के अब केवल दो स्लैब 5% और 18%; 22 सितंबर से लागू होंगे बदलाव

नई दिल्ली। अब जीएसटी के 4 की जगह केवल दो स्लैब 5% और 18% होंगे। इससे आम जरूरत की चीजें जैसे साबुन, शैंपू के साथ एसी, कार भी सस्ते होंगे।

जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग में इस पर फैसला लिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 3 सितंबर को इसकी जानकारी दी।

वित्त मंत्री सीतारमण ने बताया कि दूध, रोटी, पराठा, छेना समेत कई फूड आइटम जीएसटी फ्री होंगे। वहीं इंडिविजुअल हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर

भी टैक्स नहीं लगेगा। 33 जीवन रक्षक दवाएं, दुर्लभ बीमारियों और गंभीर बीमारियों के लिए दवाएं भी टैक्स फ्री होंगी।

लग्जरी आइटम्स और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर अब 28% की जगह 40% जीएसटी लगेगा। मध्यम और बड़ी कारें, 350 से ज्यादा इंजन वाली मोटरसाइकिलें इस स्लैब में आएंगे।

वित्त मंत्री ने बताया कि नए स्लैब नवरात्रि के पहले दिन, यानी 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे। हालांकि, तंबाकू वाले सामान पर नई 40% जीएसटी दर अभी लागू नहीं होगी।

इन बदलावों का मकसद आम आदमी को राहत देना, छोटे व्यवसायों को सपोर्ट करना और हानिकारक उत्पादों जैसे तंबाकू पर टैक्स बढ़ाकर उनके उपयोग को कम करना है।

एनडीए का बिहार बंद, कुछ जगहों से मारपीट की खबरें

पटना। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य का सियासी माहौल गरमा गया है। अभी तक रक्फ़को लेकर केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश में जुटी राजद कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के खिलाफ एनडीए खासकर भारतीय जनता पार्टी को एक बड़ा और भावनात्मक मुद्दा मिल गया है, जिससे विपक्ष, खासकर कांग्रेस और राजद मुश्किल में आ सकते हैं। ये मुद्दा है पीएम मोदी की मां को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी का। अब इसे मुद्दे को लेकर एनडीए ने आज बिहार बंद बुलाया है।

बिहार में विकास की लहर

5 साल में 1 करोड़ युवाओं को मिलेगी नौकरी

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार आज सारण जिला के मढ़ौरा अनुमंडल अंतर्गत मढ़ौरा थाना के पीछे स्थित खेल मैदान में कार्यकताओं के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मुझे प्रगति यात्रा की योजनाओं के स्थल भ्रमण एवं कार्यारम्भ एवं शिलान्यास के लिए यहाँ आने तथा आपसे बातचीत करने का मौका मिला है। यह बहुत खुशी की बात है कि इस कार्यकर्ता संवाद में बड़ी संख्या में आप सब लोग उपस्थित हैं। मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूँ। आप सब जानते हैं कि 2005 से पहले की सरकार ने बिहार के विकास के लिए कोई काम नहीं किया, पहले बहुत बुरा हाल था। जब बिहार में 24 नवंबर, 2005 को एन०डी०ए० की सरकार बनी, तब से हमलोग बिहार के विकास में लगे हुये हैं और राज्य में कानून का राज है। सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। शुरू से ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। राज्य में बड़े पैमाने पर सड़कों, पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है। सात निश्चय के तहत हर घर तक बिजली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय तथा टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम पूरा हो गया है। हमलोगों ने सात निश्चय योजना के तहत हर घर नल का जल, हर घर शौचालय, हर घर तक बिजली, हर घर तक पक्की गली एवं नाली का निर्माण आदि का काम कराया।

बंगाल विधानसभा: भाजपा चीफ-व्हिप को मार्शलों ने घसीटकर निकाला

बेहोश हुए, 5 विधायक सस्पेंड, ममता ने सदन में मोदी चोर-वोट चोर के नारे लगाए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को बंगाली प्रवासियों पर हो रहे अत्याचारों पर चर्चा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रस्ताव पर बोल रहीं थीं। तभी विपक्ष (भाजपा) ने नारेबाजी शुरू कर दी।

भाजपा विधायक 2 सितंबर को विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के निलंबन का विरोध कर रहे थे। ळटउ विधायकों ने इन्हें रोकने की कोशिश की। जब विपक्ष के विधायक वेल तक पहुंच गए तो स्पीकर बिमान बनर्जी ने अव्यवस्था फैलाने के आरोप में भाजपा के चीफ व्हिप शंकर घोष को विधानसभा से सस्पेंड कर दिया।

घोष के बाहर जाने से इनकार करने पर मार्शलों को बुलाया गया। शंकर घोष को घसीटकर सदन से बाहर निकाला गया। बाहर निकालते समय वो गिरकर बेहोश हो गए, उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। घोष के अलावा चार अन्य भाजपा विधायक अग्निमित्र पॉल, मिहिर गोस्वामी, बंकिम घोष और अशोक डिंडा को भी सदन से निलंबित कर दिया गया है।

वहीं, स्पीच के दौरान सीएम ममता बनर्जी ने मोदी चोर और वोट चोर के नारे लगाए। पश्चिम बंगाल विधानसभा का तीन दिन का विशेष सत्र 1 सितंबर को शुरू हुआ था। 3 सितंबर को करम पूजा के कारण राजकीय छुट्टी थी। आज सत्र का आखिरी दिन है।

बंगाल भाजपा प्रवासियों पर हमलों पर विधानसभा में चर्चा के खिलाफ है, क्योंकि ये घटनाएं भगवा पार्टी शासित राज्यों में हो रही हैं। हम हिंदी या किसी अन्य भाषा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन भाजपा बंगाली विरोधी है।

भाजपा की तानाशाही और औपनिवेशिक मानसिकता है, वह बंगाल को अपना उपनिवेश बनाना चाहती है।

info@ujalasanchar.com ujalasanchar

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

संक्षिप्त समाचार

डांस करने वाले तीन अभियुक्त गिरफ्तार

आज दिनांक 04.09.2025 को सोशल मीडिया में एक वीडियों वायरल हुआ, जिसमें थाना लालगंज क्षेत्रांतर्गत ग्राम बस्तरा पाण्डेय मोड़ हाइवे पर कुछ व्यक्ति खाना पका कर खा रहे है और डान्स कर रहे है । वीडियों का संज्ञान लेकर तत्काल थाना लालगंज पुलिस द्वारा सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत कर डान्स करने वाले 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है । गिरफ्तार अभियुकों से पूछताछ में बताये कि टाटा एजेन्सी में काम करते है, 01 सुपर वाइजर व 02 हेल्पर है तथा एक अन्य व्यक्ति जो वीडियो में दिख रहा है वह एजेन्सी का मालिक है । 03/04 सितम्बर की रात्रि को एक खराब ट्रक को ठीक करने के लिये आये थे, इसी दौरान हाइवे पर इस प्रकार का कृत्य किया गया । थाना लालगंज पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भू देवश्री चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम डीएवी पब्लिक स्कूल रामनगर में किया गया जिसमें देवश्री गुप्ता जी सामाजिक कार्यकर्ता भूदेव श्री चैरिटेबल ट्रस्ट की संस्थापक , दिलीप सिंह जी महासचिव शिव बारात समिति, अखिल भारत हिंदू महासभा प्रदेश प्रभारी श्रीकांत पांडे जी एवं अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद जिला अध्यक्ष ब्रजेश पाठक जी एवं सुभाष वर्मा जी नीतू सिंह जी, राजश्री श्रीवास्तव सामाजिक कार्यकर्ता और शैलेश सिंह जी अन्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अवैध कब्जेदार ने वैध किराएदार को दी धमकी, मामला पहुंचा थाने

वाराणसी। दशास्वमेध थाना क्षेत्र के गौदौलिया स्थित अवैध कब्जेदार ने वैध किराएदार से कहा सुनी मे दी धमकी जिसकी सूचना वैध किराएदार ने अपने दशास्वमेध थाना क्षेत्र को सूचना दी मौके पर पहुंचे थाना दशास्वमेध क्षेत्र के तेज तरार एसआई अजीतेश चौधरी ने दोनों पक्षो को समझा कर मामला को शांत कराया। दोनों पक्षों को हिदायत दिया कि अगर दोबारा ऐसा होता शक्ति से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गाजीपुर में विधवा महिला को परेशान करने का मामला रात मे खिड़की के पास खड़े होकर कोर्ट मैरिज के लिए बनाया दबाव मुकदमा दर्ज

रिपोर्टिंग उमेश यादव, गाजीपुर। मरदह पुलिस ने एक विधवा महिला की शिकायत पर कमलेश पासी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया आरोपी पर गाली गलौज करने और जान से मारने की धमकी देना का आरोपी हैं। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह अपने बच्चों के साथ रात में दरवाजा बंद कर सो रही थी खिड़की खुली थी रात 11:30 बजे कमलेश पासी खिड़की के पास आ गया उसने दरवाजा खोलना को कहा और कोर्ट मैरिज के लिए दबाव बनाने लगा महिला ने दरवाजा नहीं खोला तो आरोपी ने गालियां देना शुरू कर दिया उसने जान से करने की धमकी भी दी। थाना अध्यक्ष तारावती यादव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं।

इन्दौर की तर्ज पर नगर निगम के छः वार्ड बनेंगे आदर्श (माडल) वार्ड, नगरीय सुविधाओं से होगा परिपूर्ण

नगर आयुक्त ने चिन्हित नरायनपुर वार्ड का पहले दिन किया निरीक्षण

वाराणसी। शहर में स्वच्छता और नगरीय सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में नगर निगम ने एक नई पहल की है, इसके अंतर्गत नगर निगम ने 6 वार्डों को आदर्श (माडल) वार्ड के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। नगर निगम, वाराणसी द्वारा प्रथम चरण में नगर निगम के, नारायनपुर, डिठौरी महाल, चेतगंज, कालभैरव, पियरी कला और पिशाचमोचन का चयन किया गया है। इन माडल वार्डों में नागरिकों को सभी आवश्यक नगरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साफ-सफाई, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवरेज, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, पार्क, शौचालय, सड़कें, नाली व्यवस्था जैसी मूलभूत आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। विशेष रूप में इन वार्डों में घर-घर कूड़े का 100 प्रतिशत उठान, घर-घर कूड़े का पृथ्थक्कीकरण, स्वच्छता जन जागरूकता का विशेष अभियान, इन वार्डों के सभी जी0वी0पी0 स्थलों को समाप्त कर उन स्थानों का सौन्दर्यीकरण, पार्कों का रख-रखाव, कामर्शियल क्षेत्रों में दो ट्वीन बिन, मलीन बस्तियों की नियमित सफाई, पर्यटन स्थलों, स्मारकों की नियमित सफाई का कार्य किया जाना है।

इसी क्रम में आज चिन्हित नरायनपुर वार्ड का नगर आयुक्त अक्षत वर्मा के द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया तथा माडल वार्ड बनाने के लिये आवश्यक निर्देश दिये गये, साथ ही निरीक्षण के दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था, नालियों की स्थिति, पेयजल आपूर्ति और स्ट्रीट लाइट सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। मा0 महापौर श्री अशोक कुमार तिवारी ने कहा, नगर निगम, वाराणसी का संकल्प है कि वाराणसी के हर नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं से युक्त वातावरण मिले। इन 6 वार्डों को आदर्श बनाकर हम पूरे शहर के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने कहा कि माडल वार्डों में नगरीय सुविधाओं से सम्बन्धित सभी सुविधायें प्रदान की जायेगी तथा यह प्रयोग सफल रहा तो चरणबद्ध तरीके से सभी वार्डों में लागू किया जाएगा।

चोरी का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

गाजीपुर। अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बरेसर थाना पुलिस को सफलता मिली है पुलिस ने चोरी के मुकदमे में वांछित अभियुक्त अनिल वनवासी को मुखबिर खास की सूचना पर देहन्दू अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से तीन आदत पीतल के घंटा और 16600 नगद बरामद की गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान एलियन बनवासी उम्र करीब 22 वर्ष पुत्र मोहन बनवासी निवासी ग्राम सिंहनी थाना बरेसर जिला गाजीपुर के रूप में हुई उसके विरुद्ध कई मामले दर्ज हैं जिसमें मु0अ0सं0125/25 धारा 303(2)317(2) बीएन एस मु0 अ0 सं0 139/25 धारा 32/24 धारा 60 आबकारी अधिनियम शामिल है।

गिरफ्तारी और बारामदगी की कार्रवाई उप निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद मिश्रा उप निरीक्षक कृष्ण कुमार पांडे मैं हमारा की संयुक्त टीम की की पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

चोरी की घटना में संलिप्त 05 अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

वाराणसी। चौकी मातलदेई के अंतर्गत चोरी की घटना के अनावरण हेतु थाना राजातालाब पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का गहनता से निरीक्षण करते हुए सीसीटीवी फुटेज की जांच व अन्य माध्यम से उक्त मुकदमे से सम्बन्धित अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं बरामदगी हेतु निरंतर प्रयास किया जा रहा था।

इसी क्रम में दिनांक 03.09.2025 को मुखबिर की सूचना पर थाना राजातालाब पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उक्त से संबंधित अभियुक्तगण 1. सोविन्द विश्वकर्मा पुत्र शिवमूरत, ग्राम मिल्कीचक, थाना रोहनिया, वाराणसी, उम्र 28 वर्ष, 2. अरविन्द विश्वकर्मा पुत्र शिवमूरत, ग्राम मिल्कीचक, थाना रोहनिया, वाराणसी, उम्र 25 वर्ष, 3. अजीत कुमार विन्द पुत्र विलगू विन्द, ग्राम मातलदेई, थाना राजातालाब, वाराणसी, उम्र 22 वर्ष, 4. चन्दन विन्द पुत्र पुतन विन्द, ग्राम मातलदेई, थाना राजातालाब, वाराणसी, उम्र 28 वर्ष, 5. अजय कुमार पुत्र नरेश, ग्राम गौरा, थाना राजातालाब, वाराणसी, उम्र 26 वर्ष को मातलदेई चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से तवा बड़ा 01, कूकर बड़ा 01, कूकर छोटा 01, गैस चूल्हा 02, गैस सिलेंडर बड़ा 01, गैस सिलेंडर छोटा 01, भगोना (एल्युमीनियम) 01, प्लास्टिक की टोकरी 01, लोहे की हथौड़ी 01, प्लास्टिक का डिब्बा 01 बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी करते हुए विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सीएचसी पिंडरा में किया गया ओवेरियन सिस्ट का सफल ऑपरेशन

सिजेरियन ऑपरेशन कर कराया गया प्रसव

वाराणसी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंगापुर पिंडरा पर 24 वर्षीय गर्भवती महिला नंदपुर रामपुर पिंडरा निवासी प्रसव पीड़ा में भर्ती हुई। इनका गुरुवार को ऑपरेशन से प्रसव एवं ओवेरियन सिस्ट का सफल ऑपरेशन किया गया। इसकी जानकारी अधीक्षक डॉ मोइजुद्दीन हाशमी ने दी ।

डॉ हाशमी ने बताया कि महिला को कई दिनों से पेट में असहनीय दर्द था। उनके परिजनों द्वारा चिकित्सालय में भर्ती कराया गया । जांच के दौरान पता चला कि मरीज के ओवरी में सिस्ट है। तत्काल उनके परिजनों को इसकी जानकारी देते हुए ऑपरेशन का निर्णय लिया गया। चिकित्सालय में कार्यरत स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ सारिका राय, निश्चेतक डॉ गोपाल प्रसाद के द्वारा सिजेरियन ऑपरेशन के साथ-साथ ओवेरियन सिस्ट का सफल ऑपरेशन किया गया। इस ऑपरेशन में विनोद कुमार, प्रीति मौर्या एवं संजू वर्मा के द्वारा सहयोग किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंगापुर पिंडरा के समस्त चिकित्सकों एवं स्टाफ को उत्तम चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करने हेतु प्रोत्साहित किया एवं निर्देशित किया कि इसी प्रकार लोगों को चिकित्सकीय सेवा देने हेतु सदैव तत्पर रहे हैं।

विरदोपुर वार्ड के विद्यालय में नगर निगम ने चलाया वायु प्रदूषण जागरूकता अभियान

माडल वार्ड के रूप में चयनित काल भैरव वार्ड में नगर निगम ने चलाया स्वच्छता रैली

वाराणसी। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा के निर्देश पर नगर क्षेत्र में चलाये जा रहे स्वच्छता का जन जागरूकता अभियान के अन्तर्गत नगर निगम की डाक्यूमेन्ट मैनेजर प्रीति सिंह के नेतृत्व में नगर निगम व आई0ई0सी0 टीम के द्वारा विरदोपुर वार्ड के आर्किड इंटरनेशनल स्कूल में छात्रों को वायु प्रदूषण के बारे में बताया गया। आई0ई0सी0 टीम द्वारा छात्रों को विभिन्न प्रकार से अवगत कराया गया, जिसमें वायु प्रदूषण कम करने हेतु छात्रों से निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें वायु प्रदूषण क्या है, इसके प्रमुख कारण और इसे कम करने के उपाय विषय पर बच्चों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। टीम द्वारा छात्रों को समझाया गया कि वाहन प्रदूषण, कचरा जलाना, औद्योगिक धुआँ और धूल वायु प्रदूषण के मुख्य कारण हैं। वायु प्रदूषण से सांस की बीमारियाँ, आँखों में जलन और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। कार्यक्रम में छात्रों को मोटर वाहनों का कम उपयोग करने, सार्वजनिक परिवहन एवं साइकिल का प्रयोग बढ़ाने, अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। नगर निगम की टीम द्वारा इसके पश्चात क्षेत्रीय स्वास्थ्य निरीक्षक आशीष श्रीवास्तव, क्षेत्रीय पार्षद संजय गुजराती तथा डॉक्यूमेंट मैनेजर प्रीति सिंह ने संयुक्त रूप से नगर निगम की सफाई टीम, आई ई सी टीम, कूड़ा उठान वाली कंपनी के कर्मचारियों के साथ काल भैरव वार्ड के अन्नपूर्णा गली, कालभैरव मार्ग, दलहट्टा तथा बीबी हटिया मोहल्लों में स्वच्छता रैली निकाला गया, जिसमें रैली के माध्यम से टीम के द्वारा लाउड हेलर के माध्यम से घर-घर जाकर नागरिकों को जागरूक किया गया जिसमें लोगों को गीला कचरा सूखा कचरा अगल-अलग रखने, सड़कों पर कूड़ा न फेकने हेतु प्रेरित किया गया तथा यह आहवान किया गया कि काल भैरव वार्ड को माडल वार्ड के रूप में बनाया जा सके।

जमनियां पुलिस ने 10 गुमशुदा मोबाइल फोन किया बरामद

गाजीपुर। जनपद के थाना जमनिया पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है पुलिस अधीक्षक अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकार जमानिया के कुशल निर्देशन व पर्यवेक्षण में थाना जमनिया पुलिस टीम सीसीटीएनएस टीम ने 10 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए 20 हजार रूपए आंकी गई है यह मोबाइल फोन उन धारकों को लौट आए गए हैं जिन्होंने पूर्व में उएक्फ पोर्टल पर अपने खोए हुए मोबाइल की शिकायत दर्ज कराई थी पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए बुधवार को सभी मोबाइल फोन संबंधित मालिकों को सुपुर्द कर दिए मोबाइल वापस पकड़ धारकों ने खुशी जाहिर की और पुलिस टीम की सराहना की इस कार्रवाई से लोगों का पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

इस बारामती अभियान में प्रभारी निरीक्षक जमानिया और सीसीटीएनएस टीम कि हम भूमिका रही है जनपद गाजीपुर की मीडिया सेल ने जानकारी दी कि पुलिस की यह पहल समाज में सुरक्षा और भरोसे की भावना को और प्रगाढ़ करती है।

पितृपक्ष मेला के अवसर पर पुनपुन घाट हाल्ट पर 10 जोड़ी ट्रेनों का तथा अनुग्रह नारायण स्नान घाट पर 05 जोड़ी ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

हाजीपुर। पितृपक्ष मेला के दौरान श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा हेतु रेलवे द्वारा दिनांक 06.09.2025 से 21.09.2025 तक पुनपुन घाट हाल्ट पर निम्नलिखित ट्रेनों का दो-दो मिनट का अस्थायी ठहराव प्रदान किया जा रहा है -

1. गाड़ी सं. 13243/13244 पटना-भभुआ रोड-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस
2. गाड़ी सं. 13347/13348 पटना-बरकाकाना-पटना पलामू एक्सप्रेस
3. गाड़ी सं. 13349/13350 सिंगरौली-पटना-सिंगरौली एक्सप्रेस
4. गाड़ी सं. 18623/18624 इसलामपुर-हटिया-इसलामपुर एक्सप्रेस
5. गाड़ी सं. 18625/18626 पूर्णिया कोर्ट-हटिया-पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस
6. गाड़ी सं. 12365/12366 पटना-रांची-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस
7. गाड़ी सं. 13329/13330 पटना-धनबाद-पटना गंगा दामोदर एक्सप्रेस
8. गाड़ी सं. 14223/14224 राजगीर-वाराणसी-राजगीर बुद्धपूर्णिमा एक्सप्रेस
9. गाड़ी सं. 05553/05554 पाटलिपुत्र-गया-पाटलिपुत्र पैसेंजर स्पेशल
10. गाड़ी सं. 07255/07256 चर्लपल्ली-पटना-चर्लपल्ली स्पेशल

इसी क्रम में गाड़ी सं. 03253 पटना-चर्लपल्ली स्पेशल एवं गाड़ी सं. 03655 पटना-गया स्पेशल का भी पुनपुन घाट पर 02 मिनट का अस्थायी ठहराव प्रदान किया गया है ।

इसके साथ ही, दिनांक 06.09.2025 से 21.09.2025 तक अनुग्रह नारायण रोड और चिरैला पौथू के बीच स्थित अनुग्रह नारायण स्नान घाट पर भी निम्नलिखित ट्रेनों का दो मिनट का अस्थायी ठहराव प्रदान किया जा रहा है -

1. गाड़ी सं. 63289/63290 गया-डेहरी ऑन सोन-गया मेमू पैसेंजर
2. गाड़ी सं. 63291/63292 गया-डेहरी ऑन सोन-गया मेमू पैसेंजर
3. गाड़ी सं. 63295/63296 गया-डेहरी ऑन सोन-गया मेमू पैसेंजर
4. गाड़ी सं. 13553/13554 आसनसोल-वाराणसी-आसनसोल मेमू पैसेंजर
5. गाड़ी सं. 13305/13306 धनबाद-सासाराम-धनबाद इंटरसिटी

शिक्षक दिवस पर होगा पचास से अधिक शिक्षकों का सम्मान

बेस्ट टीचर अवॉर्ड-2025 से होंगे सम्मानित

चन्दौली/डीडीयू नगर। विगत 5 वर्षों से न्यू ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के सरस्वती होटल में शिक्षक दिवस के अवसर पर बेस्ट टीचर अवार्ड_25 का आयोजन किया गया है साथ ही नेशनल सेमिनार गुरु शिष्य परंपरा आयोजित किया गया है कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व प्रोफेसर प्रभु नाथ बरनवाल मिजार्पुर एवं डॉ रमेश कुमार सिंह सहायक आचार्य पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग काशी विद्यापीठ वाराणसी एवं सम्पर्क प्रमुख भारतीय शिक्षण मंडल काशी प्रान्त व प्रो. डॉ. रचना श्रीवास्तव प्राचार्य बसंत महिला महाविद्यालय वाराणसी का आगमन होना है कार्यक्रम में जनपद चंदौली व वाराणसी सहित कई अन्य राज्यों के टीचर्स प्रोफेसर उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित हो रहे हैं कार्यक्रम की जानकारी संस्था के सचिव मनोज कुमार पाठक ने दिया है।

चेकिंग के दौरान संदिग्ध युवक के पास से पैंतीस लाख साठ हजार रूपये बरामद

चंदौली। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डीडीयू निरीक्षक प्रभारी प्रदीप कुमार रावत के नेतृत्व में उप निरीक्षक अमरजीत दास, सुनील कुमार,आरक्षी पवनेश कुमार सिंह जीआरपी डीडीयू के उप निरीक्षक संदीप कुमार शर्मा साथ स्टाफ एवं आरक्षी भगवान सिंह CPDS/DDU द्वारा डीडीयू जंक्शन पर गश्त/चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को समय करीब 19/50 बजे एक पिट्ठू बैग लटकाए हुए तथा हाथ में दो झोला एक में जूता और दूसरे में खाने पीने का समान के साथ पैदल गामी पुल पर तेज कदमों से जा रहा था। जिसे संदेह होने पर रोका गया एवं पिट्ठू बैग में रखे समान के सम्बन्ध में पूछने पर बताया की इसमें दैनिक प्रयोग के सामान है। परंतु संदेह की स्थिति होने पर उसके पिट्ठू बैग को उक्त व्यक्ति के समक्ष उसी से खुलवाकर देखने पर देखने पर कुल 35,60,000/- (पैंतीस लाख साठ हजार) रुपया पाया गया।जिसके संबंध में पकड़े गए व्यक्ति द्वारा कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं किया जा सका एवं बताया कि इन रुपयों को वाराणसी से बंगाल लेकर जा रहा था।पूछताछ में उसने अपना नाम व पता आशीष दुआ,उम्र करीब 39 वर्ष,पुत्र मदन चंद्र दुआ, निवासी सूरतपुर, हरिराम पुर,वेस्ट मेदनीपुर, पश्चिम बंगाल बताया। जिसके बाद उक्त व्यक्ति आशीष दुआ एवं बरामद कैश व अन्य समान को रेल सुरक्षा बल पोस्ट डीडीयू पर लाया गया तथा मामला आयकर विभाग से संबंधित पाकर इसकी सूचना आयकर विभाग/वाराणसी (उत्तर प्रदेश) को दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

उ.प्र. पुलिस कबड्डी, खो-खो, जिम्नास्टिक प्रतियोगिता-2025 के जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में मेरठ जोन की टीम विजेता व वाराणसी जोन की टीम उपविजेता रही। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा उप विजेता टीम वाराणसी जोन के प्रतिभागियो का उत्साहवर्धन करते हुए दी गयी उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना।

बेल्थरारोड में सरयू नदी में डूबने से व्यक्ति की मौत, नहाते वक्त फिसला पैर

रिपोर्टर - मुकेश श्रीवास्तव, बलियाः उभांव थाना क्षेत्र के हल्दीरामपुर धरहरा गांव में सरयू नदी में स्नान करने गए 45 वर्षीय पिंटू तिवारी की डूबने से मौत हो गई। इस घटना से परिवार और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार पिंटू तिवारी डीह बाबा मंदिर के पीछे नदी में स्नान कर रहे थे। स्नान के दौरान उनका पैर अचानक गहरे गड्ढे में फिसल गया और वे डूब गए। बुधवार को स्थानीय लोगों और पुलिस ने काफी तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। गुरुवार सुबह करीब 6:30 बजे उनका शव नदी किनारे बरामद हुआ। ग्राम प्रधान अनंत देव सिंह टाइगर ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मृतक अपने पीछे पत्नी और चार बच्चों को छोड़ गए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि बाढ़ के कारण नदी में कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं, जो ऊपर से सामान्य पानी जैसे दिखाई देते हैं। प्रशासन और स्थानीय लोगों ने अपील की है कि कोई भी व्यक्ति अकेले नदी या बाढ़ के पानी में स्नान व तैराकी न करे, यह जीवन के लिए खतरनाक हो सकता है।

रास्ते के विवाद में महिला को पीटा, छह पर केस दर्ज

रिपोर्टर- अंजनीकांत, मऊः स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के खुर्द गांव निवासी महिला ने रास्ते के विवाद में मारपीट के आरोप में छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया। दर्ज मुकदमे के अनुसार अनुराधा मौर्य पत्नी हरिनारायण का आरोप है कि उसके घर के सामने रास्ता और खड़ंजा पर सीढ़ी बनाने के विवाद में गांव निवासी रवि प्रताप, विशाल, रामानंद, रेखा देवी, निर्मला और विजय ने उससे मारपीट की। कोतवाल के के वर्मा ने बताया कि मामला संज्ञान में है, इस मामले में दो महिला और चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस मॉर्डन स्कूल में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन

मिजार्पुर से बसन्त कुमार गुप्ता की रिपोर्ट। 39वी वाहिनी पीएसी प्रांगण में संचालित पुलिस मॉर्डन स्कूल में आज दिनांक 4/9/2025 को वाहिनी खेल मैदान में सेनानायक नैपाल सिंह की गरिमामय उपस्थिति में Annual sports day का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत पुलिस मॉर्डन स्कूल के बच्चों की 100 मीटर की दौड़, 200 मीटर की दौड़, बच्चियों की कुर्सी दौड़ व कबड्डी जैसे खेल प्रतियोगिता सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। विजेता छात्र / छात्राओं को सेनानायक द्वारा मैडल, गोमेन्टो व पुरस्कार प्रदान किया गया। सेनानायक ने बच्चों के उत्साह व खेल प्रतिभा की प्रसंशा की और वार्षिक खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम में समस्त वाहिनी अधिकारीगण प्रधानाचार्य पुलिस माडर्न स्कूल व सम्बन्धित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री युवा योजना अंतर्गत मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयाजेन

मिर्जापुर। आज सिटी क्लब मिर्जापुर में मुख्यमन्त्री युवा योजना केअंतर्गत मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय विधायक मांझा श्रीमती सुचिशमिता मौर्या जी जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री जगदीश सिंह पटेल जी नगर पालिका के अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर केसरी जी द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया तथा अपने विचारों से कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन तथा उनका प्रेरित किया गया कि किस प्रकार हम अपना उद्यम स्थापित कर सकते हैं प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ कैसे उठा सकते हैं श्रीमती सूची स्मिता मौर्या जी द्वारा युवाओं का आवाहन किया गया कि अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर स्वावलंबी बने अपने साथ ही अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कारण नगर पालिका अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर केसरी जी द्वारा उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला गया की उद्यम स्थापित कर एक व्यक्ति अपने साथ-साथ चार अन्य परिवारों का भी पोशाक बन जाता है श्री जगदीश सिंह पटेल द्वारा केंद्र सरकार में प्रदेश की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को अपना उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया गया संयुक्त आयुक्त उद्योग वीरेंद्र कुमार द्वारा कार्यशाला किस उद्देश्य से आयोजित की गई है।

मोहम्मद साहब की जयंती को लेकर नगरा थाना में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

रिपोर्टर- रिजवान पठान, बलियाः हजरत मोहम्मद पैगंबर साहब की जयंती के अवसर पर बुधवार को नगरा थाना परिसर में क्षेत्राधिकारी रसड़ा आलोक कुमार गुप्ता और थाना अध्यक्ष अजय कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी पर्व को शांति और सौहार्द के माहौल में मनाने पर विशेष बल दिया गया। क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार गुप्ता ने कहा कि पर्व पूरी तरह शांति और भाईचारे के साथ मनाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। सभी धर्म और समुदायों के सहयोग को आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रशासन किसी भी स्थिति में अमन-चैन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। थाना अध्यक्ष अजय कुमार त्रिपाठी ने बैठक में मौजूद लोगों से आपसी सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि जुलूस के दौरान किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और अफवाह फैलाने वालों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। अशांति फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और उन पर पैनी नजर रखी जाएगी।

बैठक में सामाजिकता, एकता और भाईचारे पर विशेष जोर दिया गया। प्रशासन और समाज दोनों ने मिलकर त्योहार को सुरक्षित और सफल बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर मुस्लिम समुदाय के लोग भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिनमें समुदाय व जुलूस कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सफीक अहमद, नजीर हुसैन, रिजवान राइन, अब्बास राइन, ओसामा इश्तियाक, मोनू सिद्दीकी, चुन्नू खान, शाहबान अंसारी, जब्बार राइन, समीम सहित अन्य लोग शामिल रहे।

बलिया में बिजली चोरी में 15 पर मुकदमा, 287 बकायेदारों के कनेक्शन काटे गए

ब्यूरोचीफ - अवधेश यादव, बलियाः विद्युत वितरण खंड तृतीय की टीम ने नगरा, जाम, सलेमपुर, सिकन्दरपुर, माल्दा, गौरामदनपुरा, बांसडीह, सैदपुरा एवं मनियर क्षेत्र में मास रेड अभियान चलाया। इस दौरान बकाया राशि 68 लाख 12 हजार रुपये होने पर 287 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए गए। वहीं, बिजली चोरी करते पकड़े गए 15 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई गई। चेकिंग टीम ने मौके पर ही चार लाख 63 हजार रुपये की वसूली भी की। अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। विद्युत वितरण खंड तृतीय के एक्सईएन राजकुमार सिंह ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर अपना बकाया बिजली बिल जमा करें और चोरी से बिजली का उपयोग न करें। उन्होंने कहा कि प्रबंध निदेशक के निर्देश पर प्रत्येक फीडर पर अधीक्षण अभियंता से लेकर अधिशासी अभियंता, उपखंड अधिकारी, अवर अभियंता और तकनीशियन को फीडर मैनेजर के रूप में नियुक्त किया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि 10 हजार रुपये से अधिक बकायेदारों का कनेक्शन काटने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और बिजली चोरी रोकने के लिए चिन्हित क्षेत्रों पर लगातार अभियान चलता रहेगा।

जंगीपुर विधानसभा में सपा नेता संतोष यादव के तूफानी दौरे से हलचल

मरदह। स्थानीय थाना क्षेत्र पिपनार गांव में जंगीपुर विधानसभा के सपा नेता संतोष यादव के तूफानी दौरे ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज कर दी है। सपा नेता संतोष यादव जंगीपुर विधानसभा क्षेत्र के पिपनार गांव में हरेंद्र यादव के पिता के मृत्यु के उपरांत उनके घर पर शोक संवेदन व्यक्त करने पहुंचे। परिवार के लोगों को ढांढस भी बढ़ाया ।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं किसानों के ऊपर लाठियां व डंडे बरसाने का कार्य करती है। आज सरकार का बुलडोजर रोल मॉडल बन चुका है। प्रदेश का युवा अगर रोजगार मांगता है तो यह प्रदेश सरकार युवाओं पर लाठी व डंडे बरसाने का कार्य

करती है यह तानाशाही सरकार है। 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी सीटों पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी जीत दर्ज करेंगे और राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव एक बार पुनः मुख्यमंत्री के कुर्सी पर विराजमान होंगे। गाजीपुर की सभी सीटों पर समाजवादी पार्टी जीत दर्ज करेगी।

मिली सूत्रों की जानकारी के अनुसार जंगीपुर विधानसभा में संतोष यादव के दौरे से जंगीपुर विधानसभा में सपा की स्थिति मजबूत हो सकती है। यह दौरा 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए सपा की तैयारियों का हिस्सा हो सकता है। संतोष यादव के दौरे से पार्टी कार्यकताओं में जोश भर सकता है और वे आगामी चुनाव के लिए तैयार हो सकते हैं। इस तरह, जंगीपुर विधानसभा में संतोष यादव के तूफानी दौरे ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज कर दी है। अब देखना यह है कि आगामी चुनाव में कौन सी पार्टी जीत हासिल करती है।

एसपी ने दरोगा समेत चार पुलिसकर्मियों को किया निलंबित

रिपोर्टर- राजेश पाण्डेय, मऊ। फरियादी की शिकायत का निस्तारण नहीं करने, ड्यूटी में लापरवाही मामले में बुधवार को एसपी ने मुहम्मदाबाद गोहना थाने में तैनात दरोगा समेत चार पुलिसकर्मियों तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही विभागीय जांच का आदेश भी जारी किया। एसपी ने यह कार्रवाई सीओ की जांच आख्या के बाद किया। पुलिस अधीक्षक की कार्रवाई से पूरे दिन पुलिसकर्मियों में हड़कंप मचा रहा। एसपी ने सख्ती के साथ चेताया कि ड्यूटी में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जनता की शिकायतों का निस्तारण नहीं करने वाले पुलिसकर्मियों पर गाज करना शुरू हो गया है। पुलिस अधीक्षक इलामारन ने बताया कि मुहम्मदाबाद गोहना थाने में तैनात उपनिरीक्षक रामअवध, आरक्षी निर्भय सिंह, अंशुमान शुक्ला और अनुराग यादव के खिलाफ शिकायत मिली थी कि उनके द्वारा फरियादी की शिकायत का कोई निस्तारण नहीं किया जा रहा है। मामले की जांच क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद गोहना ने की। जांच के दौरान पाया गया कि मुहम्मदाबाद गोहना निवासिनी फरियादिनी तैय्यबा ने लिखित रूप से शिकायती प्रार्थनापत्र उपनिरीक्षक रामअवध को दिया था, लेकिन प्रकरण को गंभीरता से नहीं लिया गया। उपनिरीक्षक ने प्रकरण को गंभीरता न लेते हुए खुद मौके पर न जाकर प्रार्थनापत्र पर आरक्षी निर्भय सिंह, आरक्षी अंशुमान शुक्ला को जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए आदेशित किया गया था। प्रकरण में आरक्षी अनुराग यादव, आरक्षी अंशुमान शुक्ला आवेदक के घर पर पूछताछ के लिए पहुंचे, लेकिन दस दिन बीत जाने के बाद भी पुलिसकर्मियों ने कोई विधिक कार्रवाई नहीं की। साथ ही प्रकरण के सम्बंध में प्रभारी निरीक्षक को भी अवगत नहीं कराया गया। जांच में यह भी पाया गया कि फरियादी के प्रार्थनापत्र को अनावश्यक रूप से लंबित रखते हुए प्रार्थनापत्र को आगंतुक रजिस्टर, महिला हेल्प डेस्क रजिस्टर, जनसुनवाई रजिस्टर में भी अंकित नहीं किया गया। पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उ.प्र. अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की दंड एवं अपील नियमावली-1991 के नियम-17 (1) (ख) के प्रावधानों के तहत तत्काल प्रभाव से उपनिरीक्षक रामअवध, आरक्षी निर्भय सिंह, अंशुमान शुक्ला और अनुराग यादव को निलंबित कर दिया।

समाजवादी गुंडों से डरने वाली नहीं फिर सपा पर भड़की केतकी सिंह

रिपोर्टर - बिनोद सोनी, बलियाः समाजवादी गुंडों से मैं डरने वाली नहीं। सपा का चरित्र शुरू से महिलाओं के खिलाफ रहा है। समाजवादी पार्टी के पोषित गुंडे उस समय कहां थे जब उनके ही राष्ट्रीय अध्यक्ष की पत्नी पर एक समुदाय विशेष के व्यक्ति ने टिप्पणी की थी। उस समय उनका खून क्यों नहीं खौला। ये बातें बांसडीह विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक केतकी सिंह ने सपा कार्यकताओं की ओर से लखनऊ स्थित आवास का घेराव करने पर कहा। पिछले दिनों बांसडीह विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक केतकी सिंह की ओर से अखिलेश यादव पर टोटियों और टाइल्स को लेकर टिप्पणी से आक्रोशित समाजवादी कार्यकताओं ने उनके लखनऊ स्थित आवास का घेराव किया। उस समय आवास पर विधायक की 16 वर्षीय पुत्री अकेले थीं।

विधायक केतकी सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी के पोषित गुंडों ने उनकी अनुपस्थिति में घर का घेराव पुत्री को डराने के लिए

किया। यह घृणित कार्य इनके चाल-चरित्र को उजागर करता है। समाजवादी पार्टी का चाल चरित्र पहले से ही महिलाओं के खिलाफ रहा है। चाहे इनकी ओर से उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को लेकर किया गया गेस्ट हाउस कांड हो या स्व. मुलायम सिंह यादव की ओर से लड़कियों को लेकर लड़कों पर दिया गया बयान रहा हो।

हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन के कार्मिको ने चलाया जनजागरूकता अभियान

शासन की मंशानुरूप जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के निर्देश के अनुपालन में एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन में संकल्प हब फार इम्पावरममेंट ऑफ वूमेन योजना के अन्तर्गत सितम्बर माह में जनपद, ब्लाक एवं पंचायत स्तर पर दिनांक 02.09.2025 से 12.09.2025 तक 10 दिवसीय विशेष जागरुकता अभियान के तहत आज दिनांक 04.09.2025 को जनपद मीरजापुर के जिला महिला अस्पताल में हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन के कार्मिको द्वारा तृतीय दिवस के थीम- लैंगिक संवेदनशीलता पर विशेष अभियान चलाकर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम

में मुख्य अतिथि डॉ0 वंदना मौर्या द्वारा सर्वाइकल कैंसर व माहवारी सुरक्षा के संबंध जागरूक किया गया।हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन की जिला मिशन कोआर्डिनेटर डॉ0 मंजू यादव द्वारा कन्या भ्रूण हत्या रोकना, लैंगिक समानता महिलाओं एवं बालिकाओं में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास में वृद्धि तथा बालिका एवं महिला परक विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी साथ ही सरकारी नीतियों से जुड़कर सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाये जाने हेतु जागरूक किया गया।

गंगा कटान ने निगली किसानों की जमीन, बाढ़ प्रभावित गांव में दवा छिड़काव और पशु उपचार की मांग

गाजीपुर। भांवरकोल गंगा नदी का जलस्तर लगातार घटने के बावजूद शेरपुर के मुबारकपुर से लेकर गहमर सिवान तक लगभग 1 किलोमीटर क्षेत्र में गंगा कटान तेजी से जारी है इस कथन की वजह से किसानों के करीब 8 मांडा उपजाऊ कृषि भूमि गंगा नदी में समा गई है ग्रामीणों का कहना है कि पानी घटने के बाद गांव के बाहर गंदगी का अंबार लग गया है जिससे चारों ओर दुर्गंध फैल रही है उन्होंने मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल दवा छिड़काव कराया जाए ताकि बीमारियों का प्रसार रोका जा सके इसी के साथ बाढ़ प्रभावित इलाकों में पशुओं में लगातार बीमारी और मृत्यु की घटनाएं सामने आ रही है ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पशुपालन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है शेरपुर सातोपुरा धर्मपुरा और फिरोजपुर समेत कई बाढ़

ग्रस्त गांव के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल दवा का चिड़ा कराया जाए और पशुओं को बचाने के लिए टीकाकरण अभियान शुरू किया जाए ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते प्रशासन ने पहल नहीं की तो हालात और गंभीर हो सकते हैं।

बलिया में एम्स जैसे अस्पताल की मांग तेज

राष्ट्रीय बैकवर्ड महासभा ने कहा- स्वास्थ्य सुविधाओं पर सरकार दें ध्यान

संवाददाता, बलिया। राष्ट्रीय बैकवर्ड महासभा ने बलिया में एम्स जैसे सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की मांग उठाई है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिमोहन यादव ने कहा कि बलिया की स्वास्थ्य व्यवस्था बेहद बदहाल है और यहां के लोग बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि यदि बलिया में एम्स जैसा हॉस्पिटल बनता है तो इससे पूर्वांचल के आधे जिलों और बिहार के सीमावर्ती इलाकों को लाभ मिलेगा। मरीजों को बेहतर इलाज

के लिए बाहर भटकना नहीं पड़ेगा। हरिमोहन यादव ने कहा कि बलिया आजादी की लड़ाई में सबसे आगे रहा, लेकिन आज स्वास्थ्य के मामले में यह जिला उपेक्षा का शिकार है। चाहे किसी भी दल की सरकार रही हो, बलिया को हमेशा अछूता समझा गया। यहां की जनता आज भी बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं के कारण अपनी जान गंवाने को मजबूर है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उदासीनता के कारण हालात और खराब हुए हैं। गरीबों का वोट लेकर सरकारें बन जाती हैं, लेकिन उन्हें बदले में मिलता सिर्फ मौत और लापरवाही है। प्रशासन ने जिले में स्वास्थ्य विभाग में लूट का अड्डा बना रखा है। राष्ट्रीय बैकवर्ड महासभा ने चेतावनी दी है कि यदि बलिया में स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त करने और एम्स जैसे अस्पताल की स्थापना की दिशा में कदम नहीं उठाए गए तो संगठन सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगा।

तुरंत मदद जरूरी

महेन्द्र सोनकर
संपादक

कई दशकों की सबसे बड़ी विनाशकारी बाढ़ की त्रासदी झेल रहे पंजाब में जन-धन की व्यापक क्षति हुई है। खेतों में खड़ी फसलें ही नष्ट नहीं हुई हैं बल्कि खेतों की उर्वरता की भी हानि हुई है। लेकिन जिस गति से उत्तर भारतीय राज्यों को बाढ़ ने अपनी चपेट में लिया है, उसको लेकर राहत की तत्काल प्रतिक्रिया केंद्र सरकार की तरफ से नजर नहीं आती। फिलहाल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं। विनाशकारी बाढ़ ने व्यापक पैमाने पर फसलों को तबाह किया, घरों को तहस-नहस किया, पशु धन की बबार्दी हुई है और बाढ़ के पानी ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। इस आसमानी आफत के सामने लोग लाचार व असहाय नजर आ रहे हैं। नागरिक इस संकट के वक्त में शासन से जिस सहानुभूति और निर्णायक मदद की कार्रवाई की उम्मीद कर रहे थे, उसके बजाय नौकरशाही की सुस्ती और नाममात्र की घोषणाओं ने उन्हें निराश किया है। इस संकट की घड़ी में वे तंत्र की काहिली बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं है कि पंजाब पहले ही कृषि संकट से जूझ रहा था। लेकिन बाढ़ की तबाही ने उसके बड़े उपजाऊ क्षेत्र के संकट को और गंभीर बना दिया है। किसानों को अब सामान्य स्थिति बहाल करने में सालों लग जाएंगे। इसी तरह हिमाचल लगातार दूसरे वर्ष भी अतिवृष्टि जनित व्यापक तबाही की मार झेल रहा है। आपदाग्रस्त हिमाचल में सड़कों का ताना-बाना बिखर गया है। बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि ने व्यापक जन-धन की हानि की है। राज्य अभी बीते वर्ष की आपदा के जख्मों से उबरा नहीं था कि इस साल अतिवृष्टि ने भयावह तबाही का मंजर पैदा कर दिया। तमाम इलाकों से भूस्खलन और तबाही की खबरें आ रही हैं। राज्य ढहे पुलों और फंसे पर्यटकों के संकट से जूझ रहा है। इससे इस संवेदनशील पहाड़ी राज्य की अर्थव्यवस्था भी खतरे में पड़ गई है। इसी तरह हरियाणा के अनेक गांव मुख्य भू-भाग से कट गए हैं। सड़कें नष्ट हुई हैं और मवेशी बह गए हैं। जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की घटनाओं और बाढ़ ने व्यापक जन-धन की हानि की है। बाढ़ ने हजारों लोगों को विस्थापित कर दिया है। जिसके चलते राज्य का नाजुक सामाजिक और आर्थिक ताना-बाना बिगड़ गया है। केंद्र सरकार आपदा राहत की अनुग्रह राशि के चेक देकर और राहत से जुड़े बयानों तक सीमित नहीं रह सकती। इन राज्यों में विनाश के स्तर को देखते हुए तत्काल और ठोस हस्तक्षेप करने की जरूरत है। वक्त की मांग है कि इन क्षेत्रों के लिये विशेष राहत पैकेज की घोषणा हो। आपदा राहत निधि का त्वरित वितरण किया जाए। इसके साथ ही जरूरी है कि पीड़ित परिवारों को तुरंत सीधा वित्तीय हस्तांतरण किया जाए। यदि समय रहते ऐसे कदम नहीं उठाए जाते तो जनाकांक्षाओं के साथ छल ही होगा। केंद्र सरकार को राज्य पर सिर्फ जिम्मेदारी थोपते हुए ऋण को केंद्रीयकृत करने की अपनी प्रवृत्ति को त्यागना होगा। बाढ़ से बेहाल हुए पंजाब को राहत देने के लिये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य के बकाया साठ हजार करोड़ रुपये की मांग की है। निस्संदेह, जब पंजाब बाढ़ के गंभीर संकट से जूझ रहा है तो केंद्र से तत्काल सहायता पाना उसका हक बनता है। इसके साथ ही यहां यह भी जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकार आपस में संवादहीनता की स्थिति को खत्म करें। दोनों सरकारें स्वीकार करें कि बाढ़ का संकट गंभीर है और लोगों को राहत पहुंचाना दोनों सरकारों की प्राथमिकता बने। इस संकट की घड़ी से उबरने के लिये राजनीतिक मतभेदों को तत्काल दूर करने की आवश्यकता है।

विचार

मदद का संकल्प

उत्तर से दक्षिण भारत तक जब भी कोई आपदा या संकट देश पर आया है, पंजाबियों ने आगे बढ़-चढ़कर पीड़ितों की मदद की है। पंजाब की धरा से गुरुओं व पीर-पैगम्बरों ने मानवता के उत्थान व मिल-जुलकर खाने की सीख दी है। गुरुओं का यह संदेश देश-दुनिया में प्रेरणा का प्रतीक बना हुआ है। ऐसे वक्त में जब पंजाब बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहा है तो शेष देश के लोगों को निस्वार्थ भाव से आगे आने की जरूरत है। उल्लेख करना जरूरी है कि पंजाब के लोग हमेशा बेहद स्वाभिमानी रहे हैं। इस सीमावर्ती राज्य ने गाहे-बगाहे विभिन्न चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है। मध्यकाल में विदेशी आक्रांता रहे हों या आजादी के बाद पाकिस्तान के आक्रमण, पंजाबियों ने भारत की सुरक्षा ढाल बनकर जीवटता का परिचय दिया है। यहां जरूरी है कि किसी मदद से पहले पंजाबियों के स्वाभिमान का विशेष ख्याल रखा जाए। यूं तो इस आपदा की घड़ी में सेना के अलावा पंजाब के विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठन अपने स्तर पर लोगों को संकट से उबारने के काम में प्राणपण से लगे भी हुए हैं। लेकिन आपदा का बड़ा स्तर देखते हुए शेष देश से योगदान की उम्मीद की जा रही है। निस्संदेह, आपदा का दायरा बड़ा है, जिसमें राज्य के 23 जिलों में करीब तीन लाख से अधिक लोग जलप्लावन का त्रास झेल रहे हैं। बड़े पैमाने पर कृषि भूमि जलमग्न हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि संकट की इस घड़ी ने लोगों को स्वतःस्फूर्त रूप में एकजुट किया है। पंजाबियों का जज्बा देखिए कि सरकारी मदद पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने उफनते पानी में नावें उतार दीं। उन्होंने न केवल पड़ोसियों, बच्चों-बूढ़ों को बचाया, बल्कि पशुओं को बचाने के लिये भी भरसक प्रयास किए। सारी दुनिया में मानवता का पर्याय बने लंगर लगाए गए। जगह-जगह अस्थायी आश्रय स्थल बनाए गए। बिना किसी संकोच के राशन बांटा गया। निस्संदेह, पंजाबियों की यह भावना कोई पहली बार नहीं देखी गई। अपने देश में ही नहीं, विदेशों में भी मदद के तमाम प्रेरणादायक उदाहरण हमारे सामने हैं। अब चाहे तुर्की का भूकंप हो या केरल में प्राकृतिक आपदा का तांडव, पहले प्रतिक्रिया देने वालों के रूप में पंजाबियों की विशिष्ट पहचान रही है। खालसा एड, यूनाइटेड सिख्स, हेमकुंट फाउंडेशन और अनगिनत स्थानीय गुरुद्वारों से जुड़े संगठनों ने मुश्किल वक्त में तेजी से काम किया है। जरूरतमंद लोगों तक भोजन,पानी,दवा और चारा पहुंचाया है। गुरुदासपुर और कपूरथला में स्वयंसेवकों ने कमर तक गहरे पानी में जाकर संकटग्रस्त लोगों को बाहर निकाला है। इतना ही नहीं, पशु चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्रों में फंसे मवेशियों की देखभाल कर रहे हैं। वित्तीय मदद भी मिल रही है, जिसे राज्य व केंद्र सरकार द्वारा अविलंब बढ़ाए जाने की जरूरत है। इसके साथ ही गैर सरकारी संगठन, परोपकारी लोग और यहां तक कि कलाकार भी लोगों की मदद व पुनर्वास का संकल्प ले रहे हैं। एक पंजाबी सेलिब्रिटी ने 200 घरों के लिये सहायता का वायदा किया है। जो इस बात का प्रमाण है कि कैसे सांस्कृतिक हस्तियां तबाही की विभीषिका कम करने के लिये सामुदायिक समूहों के साथ आगे आ रही हैं। निस्संदेह, इस संकट की घड़ी में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, वायु सेना ने नावों, हेलीकॉप्टरों और राहत शिविरों के जरिये पीड़ितों को तात्कालिक राहत पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया है। वे तसवीरें मानव सेवा के संकल्प को दशार्ती हैं, जिसमें ग्रामीणों ने ट्रैक्टर-ट्रालियों को जीवन रक्षक नौकाओं में तब्दील कर दिया है। प्रवासी समूहों द्वारा आर्थिक मदद भेजना भी एक सुखद पहल है। निस्संदेह, पंजाब में इस सेवा की संस्कृति और निस्वार्थ पहल की बार-बार परीक्षा भी हुई है। लेकिन जब आपदा का स्तर विकराल हो तो महज इस सद्भावना से ही संकट का निवारण संभव नहीं है। पंजाब में अब बाढ़ पीड़ितों को तेजी से मुआवजा देने, पारदर्शी ढंग से फसल की क्षति का मूल्यांकन तथा घरों के पुनर्निर्माण में तेजी लाने की जरूरत होगी। अगर सरकारी तंत्र और नागरिक समाज मिलकर अपनी ऊर्जा का उपयोग करे, तो न केवल पंजाब इस प्राकृतिक आपदा से जल्दी उबर पाएगा, बल्कि ये प्रयास एक प्रेरणादायक पहल के रूप में पूरे देश का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

उम्मीदों की चिप से हौसलों की उड़ान भरता भारत

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी

भारत ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए अपना पहला पूर्णतया स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर तैयार कर एक तकनीकी क्रांति को आकार दिया है। यह उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। भारत ने इस तकनीकी क्रांति की तरफ कदम बढ़ते हुए आत्मनिर्भर एवं स्वदेशी तकनीकी प्रगति को नये आयाम दिये हैं। पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित करने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये इसरो की सेमीकंडक्टर लैब साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं, अब भारत को इस तरह की तकनीक के लिये विदेशों के पराधीन नहीं होना होगा। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है, निश्चित ही इससे भारत की ताकत बढेगी और तकनीक के साथ-साथ यह आर्थिक विकास को तीव्र गति देगा। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। विशेषतः भारत की यह जादूई उपलब्धि अमेरिका को आइना दिखाने वाली है, ट्रंप को यह एक बड़ा झटका है।

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी

सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चे पर सफलता के परचम फहरायेगा। इस स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे विक्रम नाम दिया गया है। यह अंतरिक्ष-मानक माइक्रोप्रोसेसर है, जो मुख्यतः अंतरिक्ष अभियानों और रॉकेट प्रणालियों में प्रयोग के लिए तैयार किया गया है। इसरो ने सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) चंडीगढ़ के साथ मिलकर दो स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विक्रम 3201 और कल्पना 3201 विकसित किए हैं। यह माइक्रोप्रोसेसर प्रक्षेपण यानों के नेविगेशन और नियंत्रण में मदद करेंगे। विक्रम 3201 पूरी तरह भारत में बना पहला 32-बिट प्रोसेसर है। इस कदम से इसरो को विदेशी प्रोसेसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा जिससे अंतरिक्ष में देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निश्चित ही इससे भारत ने महाशक्ति बनने की ओर अपनी गति को तीव्रता दी है, जिससे अमेरिका हिला और दुनिया भारत की ताकत से रू-ब-रू हो रही है।

अब तक भारत को अनेक जटिल अंतरिक्ष अभियानों के संचालन हेतु विदेशी सूक्ष्म-प्रक्रमकों और अर्धचालक पट्टिकाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। यह विदेशी निर्भरता न केवल आर्थिक दृष्टि से बोझिल थी बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी चुनौतीपूर्ण थी। विक्रम माइक्रोप्रोसेसर के निर्माण से भारत ने इस निर्भरता की बेड़ियों को तोड़ा है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाया है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री मोदी इसके लिये निरन्तर प्रयासरत है। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं भारत को ऐसे ही विकास के नये शिखरों पर आरोहण कराने का सशक्त माध्यम बन रही है।

निश्चित रूप से मोदी सरकार के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल, राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वेदशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी।

जन प्रतिनिधियों की पेंशन के यक्ष प्रश्न

जन-प्रतिनिधियों की इस पेंशन पर पुनर्विचार होना ही चाहिए। पहली बात तो यह कि विधायकी-सांसदी समाप्त होने के बाद पेंशन क्यों? इस आशय के कुछ सुझाव भी आये हैं कि एक से अधिक पेंशन तत्काल बंद हो।

आखिर पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ का पता चल ही गया। जब से उन्होंने पद से इस्तीफा दिया था, वह जैसे कहीं गायब ही हो गये थे। चिंता उनकी कथित बीमारी को लेकर भी थी, हैरानी हो रही थी कि उनकी अपनी पार्टी बीजेपी का भी कोई नेता उनकी तबीयत के बारे में पूछने, उन्हें शुभकामनाएं देने नहीं पहुंचा, और न वे स्वयं किसी से मिले या बतियाये। भला हो राजस्थान विधानसभा के सचिवालय का, जिसके सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि पूर्व उपराष्ट्रपति जी ने अपनी पेंशन बहाल किये जाने के लिए आवेदन किया है! मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार धनखड़ 1993 से लेकर 1998 तक राजस्थान में विधायक थे। जब से उन्हें राज्यपाल बनाकर बंगाल भेजा गया था, उनकी पेंशन बंद हो गयी थी, अब राज्यपाल और उपराष्ट्रपति पद से हटने के बाद वे फिर से अपनी विधायकी वाली पेंशन लेने के हकदार हो गये हैं। उन्हें प्रति माह कम से कम 42 हजार रुपये मिलेंगे। उपराष्ट्रपति पद से जुड़े लाभ अलग से। और हां, विधायकों-सांसदों को मिलने वाली पेंशन-राशि पर आयकर भी नहीं देना पड़ता। यही नहीं, उनकी पेंशन से जुड़ी एक और बात भी कम हैरान करने वाली नहीं है। मान लो कोई विधायक आगे चलकर सांसद भी बन जाता है तो उसे सांसद वाली पेंशन भी मिलेगी- यानी दुहरी पेंशन। और यदि कोई एक से अधिक बार विधायक अथवा सांसद निर्वाचित होता है तो वह आवृत्ति के अनुपात में दुहरी या तिहरी पेंशन पाने का अधिकारी बन जायेगा!

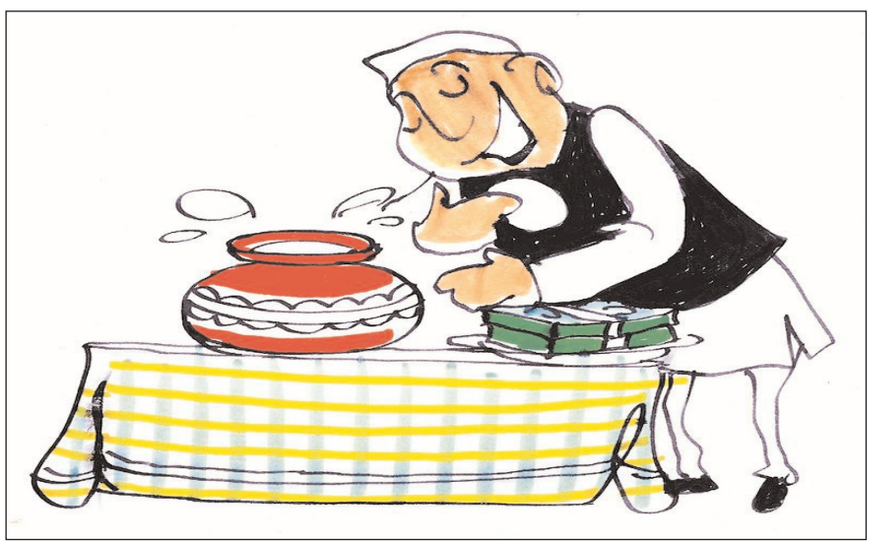

और पेंशन पाने का हकदार बनने के लिए इन राजनेताओं को सरकारी कर्मचारियों की तरह कम से कम अठारह साल काम करने की शर्त भी नहीं निभानी पड़ती। सुना है एक दिन के लिए भी कोई विधायक या सांसद बन जाये तो पेंशन पाने का हकदार बन जाता है! पर सवाल उठता है जनसेवा के नाम पर राजनीति में आने वालों को पेंशन मिलने का आधार क्या है?

अक्सर राजनेताओं से जब यह सवाल पूछा जाता है कि उनका राजनीति में आने का उद्देश्य क्या है अथवा उनका पेशा क्या है तो वे जवाब देते हैं- जनसेवा। विधानसभाओं या संसद में सदस्य रहने के दौरान निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों को वेतन अथवा भत्ते के रूप में उचित राशि मिले, यह बात तो समझ में आती है, जनसेवा के लिए राजनीति में आने वाले के जीवन भर के भरण-पोषण की व्यवस्था भी सरकार करे, यह बात आसानी से गले नहीं उतरती। फिर जब दोहरी पेंशन व्यवस्था जैसी स्थिति को देखते हैं तब तो हैरानी और बढ़ जाती है।

एक नेता थे हमारे देश के जिन्हें सचमुच वित्तीय सुरक्षा की आवश्यकता थी। मैं गुलजारी लाल नंदा की बात कर रहा हूं। दो बार देश का प्रधानमंत्री बनने वाले इस नेता के पास राजनीति से निवृत्त होने के बाद रहने के लिए दो कमरों का मकान भी नहीं था। किराये के एक कमरे में रहा करते थे वे। और किराया न दे पाने के कारण उस कमरे से भी उनका सामान उठाकर बाहर फेंक दिया गया था। हो सकता है कुछ लोग और भी हों जिनकी आर्थिक स्थिति नंदा जी की तरह ठीक न हो। यह तो समझ में आता है कि ऐसे व्यक्तियों के लिए कुछ व्यवस्था होनी चाहिए, पर लाखों-करोड़ों की संपत्ति वाले जनसेवक भी जब अधिकाधिक पेंशन पाने का अधिकार मांगते हैं तो हैरानी भी होती है और शर्म भी आती है!

चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के एक सर्वेक्षण के अनुसार हमारे मुख्य राजनीतिक दलों के पास संपत्ति की कोई कमी नहीं है। वर्ष 2020-21 में भाजपा की संपत्ति लगभग 4990 करोड़ रुपये थी। दो साल में बढ़कर वह लगभग 6046 करोड़ हो गयी। इसी तरह कांग्रेस दो वर्ष में 591 करोड़ से बढ़कर 805 करोड़ रुपये हो गयी थी। अधिकांश दलों के पास वित्त की कोई कमी नहीं थी। ये करोड़ों की संपत्ति वाले दल अपने उन कार्यकताओं को वित्तीय सहायता क्यों नहीं देते जिन्हें आर्थिक मदद की आवश्यकता है? जनता का पैसा नेताओं की आर्थिक सुरक्षा के लिए खर्च क्यों हो?

एक बात और भी है। सब जानते हैं कि हमारे देश में चुनाव लड़ना पैसे वालों के बस की ही बात है। चुनाव-व्यय की सारी मयार्दाएं धरी रह जाती हैं जब हम चुनावों में प्रत्याशियों को धन लुटाते देखते हैं। ऐसे विधायक या सांसद उंगलियों पर गिने जा सकते हैं जो करोड़ों की संपत्ति के मालिक न हों। महाराष्ट्र के एक विधायक देश के सबसे अमीर विधायक हैं उनकी घोषित संपत्ति है लगभग 3400 करोड़ रुपये। दूसरा नंबर आंध्र प्रदेश के एक विधायक का है जो 1413 करोड़ रुपये के मालिक हैं। कर्नाटक के विधायकों की कुल संपत्ति लगभग 14179 करोड़ रुपये है और आंध्र प्रदेश के विधायकों की कुल संपत्ति 11323 करोड़ के लगभग है। देश के आम आदमी से अनायास पूछ लिया जाये एक करोड़ में कितने शून्य होते हैं तो वह शायद ही तत्काल उत्तर दे पायेगा। सौ करोड़ या हजार करोड़ के आंकड़ों से तो हम देश के आम आदमी का अपमान ही करेंगे।

पीड़ितों की मदद हेतु हमारी जवाबदेही

पंजाब में बाढ़ का संकट बेहद गंभीर है। फिलहाल चुनौती जीवन रक्षा की है। पीड़ितों के लिए भोजन व साफ पानी की है। उनको राहत देना व पुनर्वास प्राथमिकता हो। पीड़ितों को समय रहते मुआवजा मिले। बाढ़ के बाद की चुनौतियों के मुकाबले को सरकार व समाज मिलकर काम करें।

पंजाब इस समय भीषण बाढ़ की त्रासदी झेल रहा है, जहां गांव जलमग्न हो गए हैं, घर बर्बाद हो गए हैं और खेतों में फसल की जगह बालू भर गई है। यह संकट केवल पानी उतरने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य में समस्याएं और गहराएंगी।

इस समय खेती और पशुधन से संपन्न पंजाब में नदियों-नालों में आये उफान के कारण तीन लाख एकड़ से ज्यादा फसली जमीन को नुकसान हुआ है। सबसे ज्यादा असर धान, मक्का, सब्जियों और अन्य खरीफ फसलों पर हुआ है। सीमा से लगे गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, जालंधर, फाजिल्का, कपूरथला व आसपास के गांवों में घर, सड़क और दुकानें पानी में डूब गई हैं। अब तक करीब 2.56 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

बाढ़ प्रभावित पंजाब में भारी तबाही के चलते बड़ी मात्रा में राहत सामग्री की आवश्यकता है। भोजन की व्यवस्था हो रही है, लेकिन साफ पेयजल की भारी कमी है क्योंकि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद हैं और गंदा पानी पीने से हैजा फैलने का खतरा है। रोज लाखों बोतल पानी, बिना बिजली वाले फिल्टर, बड़े आरओ, इन्वर्टर, बैटरी, मोमबत्तियां, माचिस और छोटे जनरेटर की तत्काल जरूरत है क्योंकि बिजली बहाल होने में लंबा समय लगेगा। साथ ही महामारी रोकने के लिए फिनाइल, क्लोरीन पाउडर, मच्छर मारने की दवाइयों व क्रीम की भी तुरंत आवश्यकता है।

बारिश थमने के बाद सबसे बड़ी चुनौती होगी बाढ़ग्रस्त इलाकों से पानी, कीचड़, मलबा और मरे जानवरों का निस्तारण करना। इसके लिए बड़े पंप, जेसीबी, डंपर, ईंधन, सफाई उपकरण व सुरक्षात्मक सामान की तत्काल जरूरत है। सरकारी तंत्र के पास इतनी मशीनरी तुरंत उपलब्ध नहीं होती, इसलिए समाज के लोगों को चाहिए कि वे ऐसे उपकरण राज्य सरकार को भेंट करें, ताकि पुनर्वास कार्य तेजी और प्रभावी ढंग से हो सके।

राहत कार्यों में बड़ी व्यवस्थाओं के साथ-साथ पीड़ित आम लोगों की व्यक्तिगत जरूरतों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। मधुमेह, ब्लडप्रेशर, थायराइड जैसे रोगियों को नियमित दवाएं चाहिए, जो बाढ़ में नष्ट हो चुकी हैं। मानसिक तनाव और सीमित राहत सुविधाओं से अव्यवस्थित लोग बढ़ रहे हैं। ऐसे में दवाइयां, पेयजल, डेटॉल, फिनाइल, क्लोरिन टैबलेट्स, संक्रमण व बुखार की दवाएं, ग्लूकोज, सेलाइन जैसी चीजें तत्काल आवश्यक हैं। पुराने कपड़े या अनाज जैसी चीजें फिलहाल उपयोगी नहीं होंगी।

बाढ़ के बाद जीवन को फिर से पटरी पर लाने में सबसे बड़ी बाधा होगी, सरकारी राहत पाने की प्रक्रिया, क्योंकि पैसा उन्हीं के खातों में आएगा जिनके पास आधार कार्ड है। जिनका सब कुछ बाढ़ में बह गया, उनके पास पहचान पत्र भी नहीं बचे। ऐसे में राहत की रकम देर से मिलना व्यर्थ होगा

संपन्न लोगों को आगे बढ़कर पुनर्निर्माण में योगदान देना होगा—जैसे दूरदराज के गांवों के लिए सीमेंट, लोहा जैसी निर्माण सामग्री भेजना। करीब ढाई लाख लोग पूरी तरह बेघर हो गए हैं, बाजार-वाहन तबाह हो चुके हैं। ऐसे में बीमा दावों का त्वरित और सही निपटारा बड़ी राहत हो सकता है। लेकिन राज्य मशीनरी खुद संभलने में व्यस्त है, इसलिए शिक्षित स्वयंसेवकों की जरूरत है जो नुकसान का सही आकलन कर, बीमा कंपनियों पर भुगतान के लिए दबाव बना सकें और सरकार की योजनाओं का लाभ प्रभावितों तक पहुंचा सकें।

बाढ़ के बाद जीवन को फिर से पटरी पर लाने में सबसे बड़ी बाधा होगी, सरकारी राहत पाने की प्रक्रिया, क्योंकि पैसा उन्हीं के खातों में आएगा जिनके पास आधार कार्ड है। जिनका सब कुछ बाढ़ में बह गया, उनके पास पहचान पत्र भी नहीं बचे। ऐसे में राहत की रकम देर से मिलना व्यर्थ होगा। इस स्थिति में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों की जरूरत है, जो दूर शहरों में बैठकर प्रभावितों के आधार जैसे दस्तावेज ऑनलाइन निकालकर उन तक पहुंचा सकें, ताकि समय पर उन्हें मदद मिल सके।

हालात कुछ सुधरने पर शिक्षा की जरूरत सामने आएगी, लेकिन तब तक दो लाख से अधिक बच्चों के स्कूल, बस्ते, किताबें सब कुछ बाढ़ में बह चुके होंगे। ऐसे में यदि हर घर से त्योहारों के तोहफों के रूप में एक-एक बच्चे के लिए बस्ता, किताबें, स्टेशनरी, टिफिन बॉक्स और पानी की बोतल भेजी जाए तो पंजाब के भविष्य को संवारने में मदद मिलेगी।

पाठ्यपुस्तकों की पुनः छपाई, फर्नीचर व ब्लैकबोर्ड की व्यवस्था, और बच्चों के पोषण के लिए बिस्किट व सूखे मेवे जैसे सुरक्षित खाद्य पदार्थों की भी तत्काल आवश्यकता है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर संस्थागत और व्यक्तिगत प्रयास जरूरी हैं।

यदि आवश्यकतानुसार मदद न मिले तो यह समय व संसाधन का नुकसान ही है। आज तक इस बात पर कोई दिशा-निर्देश बनाए ही नहीं गए कि आपदा की स्थिति में किस तरह की तात्कालिक तथा दीर्घकालिक सहयोग की आवश्यकता होती है। ऐसे संकट के समय में एक सच्चा नागरिक वही है, जो अपने संकटग्रस्त देशवासियों के साथ खड़ा होता है।

निजीकरण के विरोध में 281वें दिन बिजलीकर्मियों द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन

समर्थ उत्तर प्रदेश - विकसित उत्तर प्रदेश -2047 के विजन के लिए निजीकरण का निर्णय निरस्त कर बिजली को सार्वजनिक क्षेत्र में बनाये रखना जरूरी

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के बैनर तले निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन के आज 281 वें दिन प्रदेश में समस्त जनपदों की भांति बनारस के बिजलीकर्मियों द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन किया गया।

सभा को सम्बोधित करते हुये ई0 मायाशंकर तिवारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा जारी समर्थ उत्तर प्रदेश - विकसित उत्तर प्रदेश - 2047 विजन पोर्टल का स्वागत करते हुए कहा है कि विकसित उत्तर प्रदेश - 2047 के लिए बिजली के निजीकरण का निर्णय निरस्त कर बिजली को सार्वजनिक क्षेत्र में बनाए रखना बेहद जरूरी है । संघर्ष समिति विजन 2047 के पोर्टल पर शीघ्र ही अपना प्रस्ताव भेजेगी। संघर्ष समिति ने कहा है कि निजीकरण के विरोध में अभियान और संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक निजीकरण का निर्णय वापस नहीं लिया जाता।

अंकुर पाण्डेय ने आज यहां कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा समर्थ उत्तर प्रदेश - विकसित उत्तर प्रदेश - 2047 का पोर्टल बनाकर उस पर आम नागरिकों का सुझाव मांगा जाना बेहद स्वागत योग्य कदम है। किसानों, गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं तथा कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों को समाहित करते हुए संघर्ष समिति विजन 2047 के लिए अपना प्रस्ताव देगी। संघर्ष समिति ने कहा कि पांच ऐसे प्रमुख बिंदु है जिसके कारण विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के लिए बिजली का सार्वजनिक

क्षेत्र में बनाए रखना बेहद जरूरी है।

पहला बिन्दु - आम जनता के लिए बिजली उपभोग की ऐसी एकमात्र वस्तु है जो सबके लिए बराबर से आवश्यक है किन्तु बिजली की वास्तविक लागत को देखते हुए सब लोग इसका भुगतान करने में समर्थन नहीं है। यही कारण है कि किसानो, घरेलू उपभोक्ताओं, वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्र के लिए बिजली की अलग-अलग दरें निर्धारित की जाती है। किसानों, घरेलू उपभोक्ताओं खासकर गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं को लागत से कम मूल्य पर बिजली दी जाती है। सार्वजनिक क्षेत्र में बिजली वितरण कंपनियां यह काम वर्षों से घाटा उठाकर करती रही है। निजीकरण होने के बाद कोई निजी कंपनी घाटा उठाकर बिजली नहीं देगी। सस्ती बिजली न मिलने पर कृषि क्षेत्र और गरीब उपभोक्ताओं पर सबसे बड़ा असर पड़ेगा जो विकसित उत्तर प्रदेश 2047 की राह में बाधक होगा।

दूसरा बिन्दु - सरकारी क्षेत्र के बिजली उत्पादन घरों की बिजली सबसे सस्ती होती है। उत्तर प्रदेश में सरकारी क्षेत्र के बिजली उत्पादन घरों की बिजली का औसत मूल्य 04 रुपया 17 पैसे प्रति यूनिट है। निजी क्षेत्र से खरीदी जाने वाली बिजली 07 रुपए से 19 रुपए प्रति यूनिट तक की मिलती है। स्वाभाविक है बिजली के निजीकरण के बाद बिजली खरीद की लागत बढ़ेगी और निजी क्षेत्र की विद्युत वितरण कंपनियों के सामने महंगी बिजली बेचने का यह सबसे बड़ा बहाना होगा।

खास-खबर

गाजीपुर पुलिस ने वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार, अपहृता सकुशल बरामद

गाजीपुर। अपराध हुआ अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत रामपुर माझा थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमा संख्या 075/2025धारा 137(2) 352बीएन एस में वांछित अभियुक्त राहुल कुमार को मुखबिर खास की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया गया पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान अपहृता को भी सब कुशल बरामद कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान राहुल कुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी ग्राम भद्रसेन थाना सैदपुर गाजीपुर के रूप में हुई पुलिस ने उसे प्यारी बाजार के पास एट भट्टे पर जाने वाले रास्ते के पास से दबोचा गिरफ्तारी एवं कार्रवाई में उप निरीक्षक फूलचंद्र मिश्रा तथा महिला कांस्टेबल शांति देवी थाना रामपुर माझा जनपद गाजीपुर की टीम शामिल रही पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बलिया में एसआईबी की बड़ी कार्रवाई, व्यापारी का गोदाम सीज

ब्यूरोचीफ - अवधेश यादव, बलिया: जिले के गुदरी बाजार में आजमगढ़ की विशेष अनुसंधान शाखा (एसआईबी) ने बड़ी कार्रवाई की। ज्वाइंट कमिश्नर निलेश सिंह के निर्देश पर टीम ने व्याहुत ट्रेडर्स की दुकान पर छापा मारा। जांच के दौरान जीएसटी आईटीसी में लगभग 20 लाख रुपए का अंतर पाया गया। दुकान पर माल नहीं मिलने पर प्रोपराइटर दशरथ कुमार के पुत्र अमन कुमार ने बताया कि माल महावीर घाट स्थित गोदाम में रखा है। टीम जब गोदाम पहुंची तो वह बंद मिला और मौके पर मौजूद व्यक्ति के पास चाबी नहीं थी। अमन कुमार ने जानकारी दी कि उनके पिता बाहर गए हैं और देर से लौटेंगे। इसके बाद टीम ने लगभग 4-5 घंटे तक प्रोपराइटर का इंतजार किया। लेकिन उनके नहीं आने पर गोदाम को सीज कर दिया गया। इस छापेमारी अभियान में आजमगढ़ से डिप्टी कमिश्नर उपयुक्त मैनेजर चौरसिया, सहायक आयुक्त निधि श्रीवास्तव और बलिया से सहायक आयुक्त अनिल कुमार यादव व राज्य कर अधिकारी अवधेश कुमार शामिल रहे।

सोशल एक्टिविस्ट मामले में तत्काल एफआईआर व अरेस्ट की मांग

वाराणसी। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने सोशल एक्टिविस्ट सीमा चौधरी के साथ कल ऑटो में घटित घटना के मामले में पुलिस कमिश्नर वाराणसी मोहित अग्रवाल को पत्र भेजकर तत्काल एफआईआर दर्ज कराते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने कहा कि सीमा चौधरी ने ऑटो ड्राइवर द्वारा की गई आपत्तिजनक घटना के संबंध में वीडियो आधारित साक्ष्य सहित पूरे तथ्य प्रस्तुत किए हैं, लेकिन बेहद कष्ट का विषय है कि महिला अपराध के इतने गंभीर मामले में अब तक एफआईआर तक दर्ज नहीं किया गया है और ना ही अभियुक्त की गिरफ्तारी की गई है। अतः उन्होंने पुलिस कमिश्नर से तत्काल सीमा चौधरी द्वारा दी गई शिकायत पर एफआईआर दर्ज करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

अपर महाप्रबंधक ने कृषक एक्सप्रेस से किया विन्डो ट्रेलिंग निरीक्षण

यात्री सुविधाओं व संरक्षा को परखा

वाराणसी। अपर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे विनोद कुमार शुक्ल ने अपने निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को कृषक एक्सप्रेस से भटनी से वाराणसी सिटी तक विन्डो ट्रेलिंग निरीक्षण कर पुल-पुलियाओं का वाटर लेवल, मानसून प्रिकाशन्स,सिग्नलों की दृश्यता, विकास कार्यों की प्रगति,यात्री सुविधाओं के उन्नयन, रेलवे ट्रैक के रख रखाव,ट्रैक की समुचित बैलास्टिंग,ट्रैक स्क्रीनिंग,सतर्कता आदेशों का अनुपालन तथा इस रेल खण्ड पर चल रहे दोहरीकरण समेत यात्री सुविधा विकास कार्यों को देखा एवं संरक्षा परखी।

विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करने के बाद अपर महाप्रबंधक श्री शुक्ल वाराणसी सिटी स्टेशन पर उतरे और मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय पहुँचे और मण्डल कार्यालय के भारतेन्दु सभागार में मंडलीय

अधिकारियों के साथ वाराणसी मंडल पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं एवं विकास योजनाओं की प्रगति पर समीक्षा बैठक ली । समीक्षा बैठक में मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष जैन एवं सभी मंडलीय अधिकारियों की उपस्थिति में मंडल के सभी विभागों की उपलब्धियों को अपर मंडल रेल प्रबंधक(इन्फ्रा) श्री अजय सिंह ने महाप्रबंधक को विस्तृत रुप से पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से अवगत कराया।

इस दौरन अपर महाप्रबंधक श्री शुक्ल ने वाराणसी मंडल पर आधारभूत संरचना के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों में तेजी लाने, रेल संरक्षा, सुरक्षा, संरक्षा से जुड़े कर्मचारियों को दी जाने वाली सुविधाओं, मानसून संबंधी सावधानियों,ड्रेनेज के सुधार, पटरियों की सुरक्षा बढ़ाने, यात्री सुविधाओं से संबंधित कार्यों, स्टेशनों के उन्नयन आदि पर वाराणसी मंडल के अधिकारियों को संबोधित करते हुए अपर महाप्रबंधक ने रेल संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि रेल पथ, पुलों, समपार और संरचनाओं के रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, जिससे रेल संचलन को और बेहतर बनाया जा सके।

उन्होने विभागों के बेहतर समन्वय और तालमेल पर जोर दिया ताकि संरक्षा के साथ कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित किया जा सके। उन्होने कहा कि ट्रैक कार्यों के लिए समयबद्ध योजना बनाना और उन्हें क्रियान्वित करना महत्वपूर्ण है।

बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ संस्कार का होना बहुत जरूरी: डॉ. वेद प्रकाश सिंह

प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को पठन-पाठन हेतु बीरबल एनिमल हेल्थ कंपनी ने दिया इंडेक्स बेंच

राजातालाब। आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के सीहोरवा दक्षिणी स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को पठन-पाठन हेतु बीरबल एनिमल हेल्थ कंपनी द्वारा प्रदत्त इंडेक्स बेंच का पशुधन प्रसार अधिकारी डॉक्टर वेद प्रकाश सिंह ने फीता काटकर उद्घाटन किया। जिसके दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक जयकुमार सिंह ने आए हुए सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। डॉ वेद प्रकाश सिंह ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार वान होना बहुत जरूरी है। क्योंकि शिक्षा ही भाग्य की कुंजी है। इस अवसर पर मुख्य रूप से अजय कुमार मिश्रा, अमित पाठक, पुष्पराज सिंह सहित विद्यालय के अध्यापक एवं बच्चे उपस्थित रहे।

जैपुरिया स्कूल्स पड़ाव कैंपस में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) काशी जोन सर्वनन टी. द्वारा एक विशेष जागरूकता सत्र लिया गया

ज्ञानवर्धक डिजिटल सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

वाराणसी। सेठ एम.आर. जैपुरिया स्कूल्स बनारस पड़ाव कैंपस में साइबर अपराध के बढ़ते खतरों का मुकाबला करने के लिए, पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) काशी जोन सर्वनन टी. ने छात्रों के लिए एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य बच्चों को साइबर अपराध के विभिन्न रूपों के बारे में शिक्षित करना और उन्हें ऑनलाइन सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करना था। यह आयोजन पुलिस विभाग के शिक्षा संस्थानों और समुदाय के साथ मजबूत साझेदारी बनाने और डिजिटल सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने के चल रहे

प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। उक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी वृन्द द्वारा मुख्य अतिथि पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) काशी जोन सर्वनन टी. के स्वागत के साथ किया। इस विशेष अवसर पर डीसीपी सर्वनन टी. ने डिजिटल साक्षरता और इंटरनेट के जिम्मेदार उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। ऑनलाइन धोखाधड़ी: फिशिंग, ओटीपी धोखाधड़ी और फर्जी नौकरी के प्रस्तावों जैसे सामान्य घोटालों की पहचान कैसे करें और उनसे कैसे बचें।सोशल मीडिया सुरक्षा: व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से जुड़े जोखिम, मजबूत गोपनीयता सेटिंग्स का महत्व और साइबरबुलिंग से कैसे निपटें।

डिजिटल फुटप्रिंट: यह समझना कि ऑनलाइन पोस्ट की गई हर चीज एक स्थायी निशान छोड़ती है और ऑनलाइन व्यवहार के दीर्घकालिक प्रभाव क्या होते हैं।

शिक्षक सम्मान समारोह एवं शैक्षिक संगोष्ठी में सेवानिवृत शिक्षक हुए सम्मानित

शिक्षा जगत में समर्पित कर्मठशील अध्यापकों को शिक्षक सम्मान पत्र देकर किया सम्मान

राजातालाब। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर आराजी लाइन ब्लॉक संसाधन केंद्र पर कार्यक्रम संयोजक खंड शिक्षा अधिकारी शशिकांत श्रीवास्तव की देखरेख में श्यामजी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह एवं शैक्षिक संगोष्ठी कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल तथा विशिष्ट अतिथि सेवापुरी विधायक प्रतिनिधि अदिति पटेल ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर महेंद्र सिंह पटेल ने संयुक्त

रूप से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलनकर किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने अरविंद कुमार सिंह भाई जी, निर्मला देवी, उर्मिला देवी, जनक दुलारी ,नवीन कुमार त्रिपाठी सहित पांच सेवानिवृत्ति शिक्षकों को अंगवस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उसके उपरांत शिक्षा के लिए समर्पित कर्मठशील बीस अध्यापकों को शिक्षक सम्मान प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।शैक्षिक संगोष्ठी के दौरान मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन के कृतित्व एवं व्यक्तित्व के बारे में विस्तार पूर्वक वर्णन किया।

10 जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का किया जाएगा परिचालन

हाजीपुर। आगामी पर्व त्यौहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार के विभिन्न स्टेशनों से नई दिल्ली/दिल्ली/आनंद विहार के मध्य और 10 जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा जिनका विवरण निम्नानुसार है

1. गाड़ी सं. 04450/04449 नई दिल्ली-दरभंगा-नई दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल (समस्तीपुर- मुजफ्फरपुर-छपरा-गोरखपुर-ऐशबाग के रास्ते) - गाड़ी सं. 04450 नई दिल्ली-दरभंगा फेस्टिवल स्पेशल 29.09.25 से 30.11.25 तक प्रतिदिन नई दिल्ली से 15.10 बजे खुलकर अगले दिन 16.30 बजे दरभंगा पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 04449 दरभंगा-नई दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल 30.09.25 से 01.12.25 तक प्रतिदिन दरभंगा से 18.15 बजे खुलकर अगले दिन 23.00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी ।

2. गाड़ी सं. 04454/04453 नई दिल्ली-मानसी-नई दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल (खगड़िया-बरौनी-शाहपुर पटोरी-हाजीपुर-गोरखपुर-ऐशबाग के रास्ते) - गाड़ी सं. 04454 नई दिल्ली-मानसी फेस्टिवल स्पेशल 29.09.25 से 30.11.25 तक प्रतिदिन नई दिल्ली से 20.00 बजे खुलकर अगले दिन 23.30 बजे मानसी पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 04453 मानसी-नई दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल 01.10.25 से 02.12.25 तक प्रतिदिन मानसी से 01.10 बजे खुलकर अगले दिन 03.00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी ।

3. गाड़ी सं. 04456/04455 नई दिल्ली-धनबाद-नई दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल (गोमो-कोडरमा-गया-डीडीयू-वाराणसी के रास्ते) - गाड़ी सं. 04456 नई दिल्ली-धनबाद फेस्टिवल स्पेशल 20.09.25 से 30.11.25 तक प्रतिदिन नई दिल्ली से 22.40 बजे खुलकर अगले दिन 02.20 बजे धनबाद पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 04455 धनबाद-नई दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल 22.09.25 से 02.12.25 तक प्रतिदिन धनबाद से 04.00 बजे खुलकर अगले दिन 06.00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी ।

4. गाड़ी सं. 04458/04457 आनंद विहार-भागलपुर-आनंद विहार फेस्टिवल स्पेशल (किउल-मोकामा-पटना-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते) - गाड़ी सं. 04458 आनंद विहार-भागलपुर फेस्टिवल स्पेशल 20.09.25 से 30.11.25 तक प्रतिदिन आनंद विहार से 13.40 बजे खुलकर अगले दिन 05.55 बजे पटना जं. रूकते हुए 14.30 बजे भागलपुर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 04457 भागलपुर-आनंद विहार फेस्टिवल स्पेशल 21.09.25 से 01.12.25 तक प्रतिदिन भागलपुर से 18.00 बजे खुलकर अगले दिन 02.30 बजे पटना जं. रूकते हुए 22.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी ।

5. गाड़ी सं. 04064/04063 दिल्ली-भागलपुर-दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल (किउल-नवादा -गया-सासाराम-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते) - गाड़ी सं. 04064 दिल्ली-भागलपुर फेस्टिवल स्पेशल 23.09.25 से 25.11.25 तक सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को दिल्ली से 11.00 बजे खुलकर अगले दिन 10.30 बजे भागलपुर पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 04063 भागलपुर-दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल 24.09.25 से 26.11.25 तक सप्ताह के प्रत्येक बुधवार भागलपुर से 13.40 बजे खुलकर अगले दिन 15.30 बजे दिल्ली पहुंचेगी ।

6. गाड़ी सं. 04016/04015 आनंद विहार-सीतामढ़ी-आनंद विहार फेस्टिवल स्पेशल (रक्सौल-नरकटियागंज-बगहा-कप्तानगंज-गोरखपुर-लखनऊ के रास्ते) - गाड़ी सं. 04016 आनंद विहार-सीतामढ़ी फेस्टिवल स्पेशल 29.09.25 से 30.11.25 तक प्रतिदिन आनंद विहार से 15.30 बजे खुलकर अगले दिन 15.00 बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 04015 सीतामढ़ी-आनंद विहार फेस्टिवल स्पेशल 30.09.25 से 01.12.25 तक प्रतिदिन सीतामढ़ी से 16.30 बजे खुलकर अगले दिन 18.15 बजे आनंद विहार पहुंचेगी ।

7. गाड़ी सं. 04010/04009 दिल्ली-सीतामढ़ी-दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल (रक्सौल-नरकटियागंज-बगहा-गोरखपुर के रास्ते) - गाड़ी सं. 04010 दिल्ली-सीतामढ़ी फेस्टिवल स्पेशल 02.10.25 से 27.11.25 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरूवार को दिल्ली से 23.05 बजे खुलकर अगले दिन 22.30 बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 04009 सीतामढ़ी-दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल 03.10.25 से 28.11.25 तक सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को सीतामढ़ी से 23.55 बजे खुलकर अगले दिन 23.58 बजे दिल्ली पहुंचेगी ।

बारावफात जुलूस : यूपी पुलिस महानिदेशक ने सुरक्षा के कड़े निर्देश दिए

लखनऊ। यूपी के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने राजधानी लखनऊ सहित राज्य के अलग-अलग जिलों में शुक्रवार को होने वाले बारावफात जुलूस के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने साफ तौर पर कहा है कि जुलूस के दौरान किसी भी नई परंपरा या नए रास्ते की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उन्होंने सभी जिलों के आईजी, डीआईजी और कप्तानों को सख्त हिदायत दी है कि किसी भी संभावित विवाद की स्थिति में पुलिस और राजपत्रित अधिकारियों को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए और समस्या का समाधान करना चाहिए।

राजीव कृष्ण ने कहा कि अधिकारियों को पूरी सावधानी के साथ स्थिति पर नजर रखनी होगी ताकि जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो और किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को रोका जा सके।

युकी भांबरी यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे, इतिहास रचने से 2 जीत दूर

यूएस ओपन 2025

यूएस ओपन 2025 से भारतीय फैंस के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी ने मेन्स डबल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भांबरी और न्यूजीलैंड के माइकल वीनस की जोड़ी ने अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीत लिया। 13वीं वरीयता प्राप्त भांबरी-वीनस ने बुधवार को न्यूयॉर्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल में 11वीं सीड राजीव राम और निकोला मेटकिक को 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। ये मैच 2 घंटा और 37 मिनट तक चला।

पहली बार युकी भांबरी किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह पिछले साल यूएस ओपन में प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। अब मौजूदा प्रदर्शन से युकी भांबरी डबल्स रैंकिंग में टॉप-25 में पहुंच जाएंगे। बता दें कि, आखिरी बार किसी भारतीय ने यूएस ओपन का खिताब 2015 में जीता था। उस दौरान लिएंडर पेस और सानिया मिर्जा क्रमशः मिक्स्ड डबल्स और महिला डबल्स में चैंपियन बने थे। रोहन बोपन्ना 2023 में यूएस ओपन के फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन खिताब जीतने से चूक गए थे। युकी भांबरी-माइकल वीनस ने बेहतरीन शुरूआत करते हुए पहला सेट 6-3 से जीता। दूसरा सेट बेहद रोमांचक रहा और टाई-ब्रेक तक खिंच गया। इस दौरान युकी डबल फॉल्ट कर बैठे, जिसका फायदा उठाकर राम-मेटकिक ने टाईब्रेकर को 8-6 से जीत मैच को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक सेट में भांबरी-वीनस ने बेहतरीन वापसी की और जल्दी ही ब्रेक हासिल करके हासिल कर बढ़त बनाई, जो निर्णायक रहा।

जीएसटी सुधारों से आईपीएल फैंस को बड़ा झटका

आईपीएल टिकट खरीदने पर जेब होगी अब और ढीली

अगर किसी दर्शक को 1000 रुपये का टिकट लेना होता था, तो उस पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगने के बाद कीमत 1280 रुपये होती थी। लेकिन अब यही टिकट 40 प्रतिशत जीएसटी के बाद 1400 रुपये का पड़ेगा। यानी केवल टैक्स के कारण से दर्शकों को करीब 120 रुपये ज्यादा खर्च करने होंगे। भारत सरकार ने कई सामान पर जीएसटी घटा कर लोगों को राहत दी है। लेकिन भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए आईपीएल देखना अब जेब पर और भारी पड़ेगा। केंद्र सरकार ने प्रीमियम खेल आयोजनों पर जीएसटी की दर 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दी है। इस फैसले के बाद आईपीएल टिकटों की कीमतें बढ़ जाएंगी। उदाहरण के तौर पर पहले अगर किसी दर्शक को 1000 रुपये का टिकट लेना होता था, तो उस पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगने के बाद कीमत 1280 रुपये होती थी। लेकिन अब यही टिकट 40 प्रतिशत जीएसटी के बाद 1400 रुपये का पड़ेगा। यानी केवल टैक्स के कारण से दर्शकों को करीब 120 रुपये ज्यादा खर्च करने होंगे। स्टेडियम के अतिरिक्त शुल्क और ऑनलाइन बुकिंग चार्ज मिलाकर आईपीएल टिकट की कीमत और बढ़ सकती है।

सामान्य क्रिकेट मैच के टिकटों पर 18 प्रतिशत ही जीएसटी

सरकार के फैसले के अनुसार ये टैक्स कैसीनो, रेस क्लब और आईपीएल जैसे प्रीमियम खेल आयोजनों पर लागू होगा। दिलचस्प बात ये है कि सामान्य क्रिकेट मैचों के टिकटों पर फिलहाल, 18 प्रतिशत जीएसटी ही लगेगा। यानी भारत बनामा ऑस्ट्रेलिया या भारत बनाम इंग्लैंड जैसे अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले देखने वालों पर टैक्स का ये नया बोझ नहीं आएगा।

खिलाड़ियों को मिलेगा फायदाः वहीं इसका सीधा फायदा खिलाड़ियों को मिलेगा, क्योंकि अब बैडमिंटन रैकेट, क्रिकेट के दस्ताने, फुटबॉल जैसी चीजे खरीदना पहले से सस्ता होगा।

17 साल बाद भारत करेगा बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 का मेजबान भारत होगा। 17 साल बाद इस टूर्नामेंट की मेजबान भारत करेगा। इससे पहले 2009 में ये टूर्नामेंट हैदराबाद में हुआ था। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने मेजबान शहर के रूप में नई दिल्ली के नाम का ऐलान किया है। ये घोषणा फ्रांस देश के पेरिस शहर में हुए 29वें सीजन के समापन समारोह में हुई। इस मौके पर बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन के अध्यक्ष Khunying Patama Leeswadtrakul और बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी संजय मिश्रा मौजूद थे। मिश्रा ने वादा किया कि भारत पेरिस में प्रदर्शित भव्यता को बरकरार रखेगा।

BAI ने अपन प्रेस रिलीज में कहा कि हम आश्वासन देते हैं कि भारत पेरिस द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्टता और भव्यता के उन्हीं मानकों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए अपना शत-प्रतिशत प्रयास करेगा। हम बैडमिंटन परिवार का दिल्ली में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 31 अगस्त को समाप्त हुआ, इसमें भारत ने सिर्फ एक मेडल जीता। टॉप देश चीन रहा, जिसने 2 गोल्ड समेत कुल 6 पदक जीते। जापान ने एक गोल्ड समेत कुल 3 मेडल जीते। मलेशिया, साउथ कोरिया और डेनमार्क ने 2-2 मेडल जीते। जबकि थाईलैंड, कनाडा, फ्रांस, भारत और इंडोनेशिया ने 1-1 पदक जीता।

दलीप ट्रॉफी 2025

दूसरे सेमीफाइनल में छाए ऋतुराज गायकवाड़, लगाई बेहतरीन सेंचुरी

दलीप ट्रॉफी 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में वेस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच भिड़ंत हो रही है। जहां वेस्ट जोन के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने कमाल कर दिया है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पहली पारी में बेहतरीन सेंचुरी ठोकी है। गायकवाड़ ने अपनी क्लास दिखाते हुए 13 चौकों के दम पर अपना शतक पूरा किया। गायकवाड़ की सेंचुरी इसलिए भी खास है क्योंकि सेंट्रल जोन के खिलाफ वेस्ट जोन ने अपने दो धाकड़ बल्लेबाजों को पहले ही खो

दिया था। यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर दोनों ही बल्लेबाज पहली पारी में फेल रहे। जहां जायसवाल ने महज 4 तो अय्यर ने 25 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड़ ने दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपने ही अंदाज में खेलते हुए स्ट्राइक रोटेशन के साथ-साथ क्लासिक चौके भी जड़े। बिना रिस्क लेते हुए गायकवाड़ ने 70 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से सेंचुरी लगाई। वो फर्स्ट क्लास करियर में 8वीं बार सैकड़ा लगाने में कामयाब रहे। गायकवाड़ के साथ श्रेयस अय्यर भी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, उन्होंने चार चौके लगा दिए थे लेकिन तेजी से बल्लेबाजी के फेर में वो 28 गेंदों में 25 रन पर बोल्ड हो गए।

भारतीय स्पिनर अमित मिश्रा ने किया रिटायरमेंट का ऐलान

क्रिकेट के सभी फॉर्मेट को कहा अलविदा

भारत के एक और स्पिनर अमित मिश्रा ने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है। 25 साल तक प्रोफेशनल क्रिकेट में एक्टिव रह अमित मिश्रा ने क्रिकेट के सभी रूपों को अलविदा कह दिया है। वे इंटरनेशनल क्रिकेट और आईपीएल के साथ-साथ भारत की डोमेस्टिक क्रिकेट में भी नजर नहीं आएंगे। हालांकि, अब वे दुनिया के अन्य टी20 लीगों में खेल सकते हैं।

भारत के सबसे निरंतर गेंदबाजों में से एक रहे अमित मिश्रा ने अपने रिटायरमेंट की जो वजह बताई है। उसे जानकार आप भी उनकी तारीफ करेंगे। अमित मिश्रा ने कहा कि ये निर्णय मुख्य रूप से बार-बार चोट लगने और इस विश्वास पर आधारित है कि युवा पीढ़ी को बड़े मंच पर चमकने का मौका दिया जाना चाहिए। प्रेस रिलीज जारी करते हुए अमित मिश्रा ने अपने रिटायरमेंट की जानकारी दी।

अमित मिश्रा ने 22 टेस्ट, 36 वनडे और 10 टी20 इंटरनेशनल मैच भारत के लिए खेले हैं। उन्होंने 2003 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था और आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच उन्होंने 2017 में खेला था। पिछले 8 साल से वे आईपीएल और घरेलू क्रिकेट खेल रहे थे।

मनोरंजन

पौराणिक 'कन्नप्पा' का ओटीटी पर ग्रैंड प्रीमियर

पौराणिक कन्नप्पा एक स्टार-स्टडेड पीरियड ड्रामा है जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। 27 जून को रिलीज होने के बाद, यह फिल्म अब अपने ओटीटी प्रीमियर के लिए तैयार है। विष्णु मांचू की लंबे समय से प्रतीक्षित ड्रीम प्रोजेक्ट, कन्नप्पा, आखिरकार ओटीटी पर आ गई है। 10 हफ़्तों के सिनेमाघरों में प्रदर्शन के बाद, यह भक्ति महाकाव्य अब अमेजन प्राइम वीडियो पर तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में स्ट्रीमिंग कर रहा है। फि लहाल, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि इसका हिंदी संस्करण कब या कब जोड़ा जाएगा।

मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित और स्वयं विष्णु मांचू द्वारा लिखित, कन्नप्पा आदिवासी योद्धा थिन्नाडु की कालातीत कथा पर आधारित है। कभी एक जिद्दी नास्तिक रहे थिन्नाडु का वायुलिंग की पूजा के माध्यम से भगवान शिव के एक भक्त में परिवर्तन, कथा का भावनात्मक केंद्र है। विष्णु मांचू ने मुख्य भूमिका को पूरी शिद्दत से निभाया है, और उनके साथ एक शानदार कलाकारों की टोली है जो अपनी घोषणा के बाद से ही फिल्म की सबसे बड़ी चर्चा का विषय रही है।

कन्नप्पा में विष्णु मांचू मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही मोहनलाल, प्रभास, अक्षय कुमार और काजल अग्रवाल ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं। इस फंतासी एक्शन-ड्रामा का निर्माण मोहन बाबू ने किया है। भारत में प्राइम सदस्य इसे आज से तेलुगु में स्ट्रीम कर सकते हैं, जबकि तमिल, मलयालम और कन्नड़ में भी डब किया गया है।

कन्नप्पा सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और एक आदिवासी योद्धा और कट्टर नास्तिक थिन्नाडु (विष्णु मांचू) की आध्यात्मिक यात्रा के इर्द-गिर्द घूमती है। शुरूआत में सभी धार्मिक रीति-रिवाजों और मान्यताओं को नकारने वाले, भगवान शिव के एक रूप, वायु लिंग के दर्शन होने पर उसके जीवन में एक अप्रत्याशित और गहरा मोड़ आता है, जिससे वह शिव के सबसे समर्पित अनुयायियों में से एक बन जाता है। कन्नप्पा 200 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट में बनी थी। यह फिल्म वीएफएक्स पर काफी हद तक निर्भर करती है। हालाँकि, फिल्म अपनी निर्माण लागत वसूल नहीं कर पाई और दुनिया भर में केवल 42.18 करोड़ रुपये ही कमा पाई, जिसमें भारत में 37.08 करोड़ रुपये और विदेशों में 5.1 करोड़ रुपये की कमाई शामिल थी। यह पौराणिक नाटक न केवल सिनेमाघरों के दर्शकों को, बल्कि आलोचकों को भी प्रभावित करने में विफल रहा।

टाइगर श्रॉफ के स्टारडम पर सवाल

बागी 4 की धीमी शुरूआत से मेकर्स की चिंता बढ़ी

टाइगर श्रॉफ अभिनीत फिल्म बागी 5 सितंबर सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। ए. हर्ष द्वारा निर्देशित, बागी फ्रैंचाइजी की इस चौथी किस्त में संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज संधू भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसकी एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है और इंडस्ट्री के ट्रेड एक्सपर्ट और निमार्ता गिरीश जौहर ने जूम के साथ अपनी रिपोर्ट एक्सक्लूसिव तौर पर शेयर की है।

बागी 4 की एडवांस बुकिंग

सैकनिल्क के अनुसार, गुरुवार दोपहर 1 बजे तक, यानी बागी 4 की एडवांस बुकिंग बंद होने से 12 घंटे से भी कम समय पहले, फिल्म ने पूरे भारत में 1.27 लाख टिकट बेचे हैं, जिससे पहले दिन रुपए 3 करोड़ की कमाई हुई है। ट्रेड ट्रैकर ने बताया कि गुरुवार दोपहर तक ज्यादातर बड़े शहरों में फिल्म की ऑक्यूपेंसी 4-7% रही, जो इस एक्शन थ्रिलर के लिए बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरूआत को दशार्ता है। ट्रेड सूत्रों का कहना है कि विदेशों में और बाकी वीकेंड में

भी एडवांस बुकिंग धीमी है, ज्यादातर लोग टिकट बुक करने से पहले यह देखने का इंतजार कर रहे हैं कि लोगों की प्रतिक्रिया कैसी है।

बागी 4 एक हिंसक एक्शन थ्रिलर और एक पुरानी सीक्वल होने के कारण, उम्मीद है कि इसका ओपनिंग वीकेंड धमाकेदार रहेगा, और उसके बाद हफ़्ते के दिनों में इसकी कमाई धीमी रहेगी। एक्शन से भरपूर इस फि ल्म के लिए धीमी शुरूआत लंबे समय के लिए बुरी खबर होगी। अभी तक, बागी, वॉर 2 से पीछे है, जिसने पहले दिन ही प्री-सेल में रुपए 20 करोड़ कमाए थे। इतनी ज्यादा एडवांस बुकिंग के बावजूद वॉर 2 का बॉक्स ऑफिस पर कमजोर प्रदर्शन बागी 4 के लिए अच्छा संकेत नहीं है। टाइगर श्रॉफ और संजय दत्त अभिनीत इस फि ल्म के लिए मुश्किल यह है कि यह दो नए कलाकारों वाली रोमांटिक फि ल्म सैयारा से भी पीछे है, जिसकी एडवांस बुकिंग ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अहान पांडे-अनीत पड्डा लॉन्च वाहन ने जुलाई में अग्रिम बुकिंग में रुपए 9.40 करोड़ एकत्र किए, जिस तक पहुंचने के लिए बागी 4 को संघर्ष करना पड़ सकता है।

बागी 4 के बारे में

बागी 4 की बात करें तो, फिल्म के ट्रेलर ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया क्योंकि टाइगर श्रॉफ, संजय दत्त, हरनाज संधू और सोनम बाजवा अपने दमदार लुक में नजर आए। यह जबरदस्त एक्शन ड्रामा दर्शकों को स्क्रीन से बांधे रखने के लिए काफी है। बागी फ्रैंचाइजी की बात करें तो, पहली किस्त 2016 में रिलीज हुई थी, जिसमें टाइगर के साथ श्रद्धा कपूर थीं। यह बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रही। 2018 में, निमार्ताओं ने बागी 2 बनाई, जिसमें टाइगर श्रॉफ के साथ दिशा पटानी, दर्शन कुमार और मनोज बाजपेयी थे। यह बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। बागी 3 लॉकडाउन से पहले मार्च 2020 में रिलीज हुई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। इसलिए, निमार्ताओं ने इसे तुरंत ओटीटी पर रिलीज कर दिया। तीसरी किस्त में श्रद्धा कपूर, रितेश देशमुख और अंकिता लोखंडे ने अभिनय किया।

बास्टियन कहीं नहीं जा रहा

शिल्पा शेट्टी ने बास्टियन बंद होने की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री और उद्यमी शिल्पा शेट्टी ने अपने सेलिब्रिटी-पसंदीदा रेस्टोरेंट, बास्टियन बांद्रा के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है। शेट्टी ने एक मार्मिक इंस्टाग्राम वीडियो में प्रशंसकों और ग्राहकों, दोनों को आश्वस्त करते हुए कहा, नहीं, मैं बास्टियन को बंद नहीं कर रही हूँ, मैं वादा करती हूँ। उन्होंने स्पष्ट किया कि बास्टियन ब्रांड कहीं नहीं जा रहा है, हालाँकि बांद्रा स्थित इस रेस्टोरेंट का एक रोमांचक नवीनीकरण किया जाना है। शिल्पा शेट्टी न केवल एक अच्छी अभिनेत्री हैं, बल्कि एक अच्छी व्यवसायी भी हैं। मुंबई के बांद्रा इलाके में उनका बास्टियन होटल है, जो वहाँ के मशहूर रेस्टोरेंट में से एक है। वहाँ अक्सर बड़ी हस्तियों और वीआईपी लोगों की भीड़ देखी जाती है। हालाँकि, 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में फँसी शिल्पा शेट्टी के इस रेस्टोरेंट के बंद होने की खबर आ रही है। अब, शिल्पा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए एक बड़ी घोषणा की है। वीडियो की शुरूआत में, अभिनेत्री एक फोन

कॉल पर दिखाई देती हैं, जिस पर वह कहती हैं, मैं बैस्टियन बंद नहीं कर रही हूँ, वादा करती हूँ...ठीक है, अलविदा। शिल्पा आगे कहती हैं, दोस्तों, 4 हजार 450 कॉल्स...लेकिन एक बात है कि मैं बैस्टियन के लिए इस प्यार को महसूस कर सकती हूँ, लेकिन इस प्यार को जहरीला मत बनाओ यार।

फिल्म में निवेश के नाम पर धोखा!

भोजपुरी एक्टर पवन सिंह समेत 4 पर डेढ़ करोड़ की ठगी का आरोप

भोजपुरी अभिनेता और गायक पवन सिंह और चार अन्य के खिलाफ वाराणसी के कैंट थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई अदालत के आदेश के बाद की गई है। 19 अगस्त को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने होटल व्यवसायी विशाल सिंह की शिकायत पर पुलिस को मामला दर्ज करने का निर्देश दिया था। 14 दिन बाद मामला दर्ज किया गया। व्यवसायी ने पवन सिंह, प्रेमशंकर राय और उनकी पत्नी सीमा राय समेत चार लोगों पर डेढ़ करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने अब मामले की जाँच शुरू कर दी है, बैंक खातों और फिल्म से जुड़ी फंडिंग की जाँच कर रही है। पवन सिंह का बयान जल्द ही दर्ज किया जाएगा।

वाराणसी के कैंट थाने के प्रभारी शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि अदालत के आदेश पर बुधवार को यह मामला दर्ज किया गया है। वाराणसी के व्यवसायी

विशाल सिंह के वकील आशीष सिंह ने बताया कि साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म बॉस में निवेश के नाम पर उनके मुवक्किल के साथ धोखाधड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में विशाल की मुलाकात मुंबई में फिल्म निर्देशक प्रेम शंकर राय से हुई थी, जिसके बाद फिल्म बनाने के सिलसिले में उनकी कई लोगों से मुलाकात हुई। वकील ने बताया कि इस दौरान विशाल से फिल्म के निर्माण में निवेश करने का आग्रह किया गया और बदले में मुनाफे में हिस्सा देने का वादा किया गया। आशीष ने कहा कि इस दौरान विशाल की पवन सिंह के साथ भी बैठक कराई गई थी।

वकील ने कहा कि विशाल ने झांसे में आकर अपनी और अपने भाई की कंपनी से करीब 32.60 लाख रुपए अलग-अलग खाते में जमा कराए। उन्होंने कहा कि जुलाई 2018 में विशाल को फिल्म का निमार्ता घोषित करके 50 प्रतिशत मुनाफा देने का वादा किया गया, जिसके बाद विशाल ने फिल्म के निर्माण में 1.25 करोड़ रुपए और लगाए। वकील ने कहा कि बाद में फिल्म चलने पर निवेशक को उसका मुनाफे का हिस्सा नहीं दिया गया।

विशाल का आरोप है कि हिस्सा मांगने पर पवन सिंह ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।

info@ujalasanchar.com ujalasanchar

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
उजाला संचार

भारत-चीन आर्थिक दिग्गज

पुतिन ने अमेरिकी टैरिफ पर कहा- अब नहीं चलेगा औपनिवेशिक रवैया

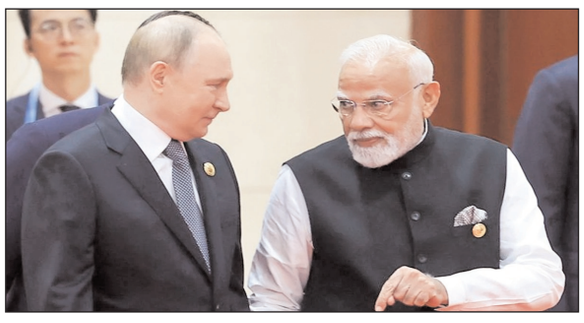

बीजिंग के दियाओयुताई स्टेट गेस्टहाउस में प्रेस को संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वैश्विक राजनीति या सुरक्षा पर प्रभुत्व जताने की कोशिश करने वाले किसी भी देश के प्रति आगाह किया, साथ ही उन्होंने भारत और चीन जैसे आर्थिक दिग्गजों के उदय को भी स्वीकार किया। पुतिन ने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में संतुलन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, अंतर्राष्ट्रीय कानून के दृष्टिकोण से, सभी के समान अधिकार होने चाहिए और सभी की स्थिति समान होनी चाहिए। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वाशिंगटन से कहा कि वह भारत और चीन पर टैरिफ और प्रतिबंधों का दबाव न बनाए, और कहा, आप भारत या चीन से इस तरह बात नहीं कर सकते। चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन और एक सैन्य परेड में भाग लेने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए, पुतिन ने ट्रम्प प्रशासन पर एशिया की दो सबसे बड़ी शक्तियों को कमजोर करने के लिए आर्थिक दबाव का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। भारत और चीन को साझेदार बताते हुए, पुतिन ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ व्यवस्था इन देशों के नेतृत्व को कमजोर करने का एक प्रयास है।

जिस चीनी नेता को ढूंढ़ रहे थे ट्रंप, वो मोदी के साथ घूमता नजर आया

एक तस्वीर ने अमेरिका समेत पूरे यूरोप को हिला दिया है। एक तस्वीर में पीएम मोदी के साथ जो शख्स नजर आया उसकी ताकत का अंदाजा डोनाल्ड ट्रंप और बाकी यूरोपीय देशों को अच्छे से है। तभी तो पीएम मोदी की इस शख्स से मुलाकात के बाद यूरोप का बयान आया है कि अगर अमेरिका ने भारत की अनदेखी जारी रखी तो अमेरिका भी हार जाएगा और पश्चिमी देश भी हार जाएंगे। आपको बता दें कि पीएम मोदी के साथ जो शख्स नजर आया उससे मिलने के लिए एक वक्त पर डोनाल्ड ट्रंप भी बेताब थे। लेकिन वो नहीं मिल पाए। दरअसल, पीएम मोदी ने एससीओ समिट के दौरान चीन के एक बेहद ही ताकतवर नेता काय ची से मुलाकात की। आप काई ची को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की परछाई कह सकते हैं।

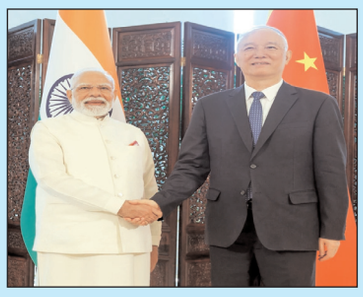

पहले वोट चोरी, अब मोदी सरकार पेट्रोल चोरी कर रही: पवन खेड़ा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं प्रचार अध्यक्ष पवन खेड़ा ने गुरुवार को मोदी सरकार और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पर इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल नीति को लेकर तीखा हमला बोला और कहा कि वोट मिलावट से जीतने वाली सरकार अब मिलावट से देश चला रही है। एक प्रेस बयान में, पवन खेड़ा ने कहा कि पहले वोट चोरी, अब मोदी जी द्वारा पेट्रोल चोरी। उन्होंने कहा कि न खाऊँगा, न खाने दूँगा के तथाकथित झंडाबरदार - वोट चोरी - जो भारतीय जनता के साथ सबसे बड़ा धोखा है - लागू करने के बाद, पेट्रोल चोरी लागू कर रहे हैं। सबसे ताजा है पैसे ऐंठने के लिए ई-20 नीति।

ई-20 इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल नीति पर, खेड़ा ने कहा कि इथेनॉल मिश्रण नीति को लेकर अब व्यापक आक्रोश है। खेड़ा ने आरोप लगाया कि 2014 में पदभार संभालने के बाद से नितिन गडकरी इथेनॉल उत्पादन के लिए आक्रामक रूप से पैरवी कर रहे हैं। सितंबर 2018 में, गडकरी ने कहा कि सरकार पांच इथेनॉल उत्पादन संयंत्र स्थापित कर रही है,

भारत-सिंगापुर रिश्तों को नई उड़ान

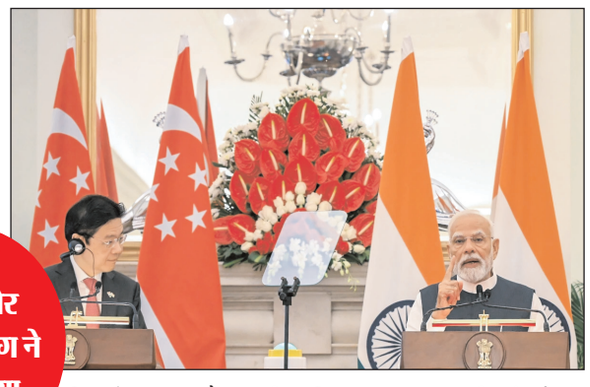

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच गहरी साझेदारी पर जोर दिया। मोदी ने कहा कि हमारे संबंध कूटनीति से कहीं आगे तक जाते हैं। यह एक उद्देश्यपूर्ण साझेदारी है, जो साझा मूल्यों पर आधारित है, आपसी हितों से प्रेरित है और शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा दृष्टिकोण से प्रेरित है।

पीएम मोदी और पीएम वॉन्ग ने पेश किया रोडमैप

साझा सुरक्षा चुनौतियों पर बात करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद को लेकर हमारी चिंताएँ समान हैं। सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है कि वे एकजुटता से आतंकवाद का मुकाबला करें। उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद सिंगापुर द्वारा व्यक्त की गई संवेदना और आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई में दिए गए समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर की पीएसए इंटरनेशनल द्वारा विकसित भारत-मुंबई कंटेनर टर्मिनल चरण क्क के उद्घाटन की घोषणा की, जिसमें समुद्री क्षेत्र में बढ़ते सहयोग पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा, हरित और डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए समझौता समुद्री क्षेत्र में हरित ईंधन आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल बंदरगाह निकासी को गति प्रदान करेगा। इसमें सिंगापुर का अनुभव अत्यंत उपयोगी है। मोदी ने उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करने की बात दोहराते हुए कहा, प्रौद्योगिकी और नवाचार हमारी साझेदारी के मजबूत स्तंभ हैं। हमने एआई, क्वांटम और अन्य डिजिटल प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया है।

गुजराती लोग बिहारियों को हल्के में ना लें... बिहार बंद के बीच लालू यादव का बीजेपी पर वार

पटना। राजद प्रमुख लालू यादव ने गुरुवार को बिहार में भाजपा के राज्यव्यापी बंद को लेकर उस पर निशाना साधा और पार्टी कार्यकर्ताओं पर राज्य की महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में लालू यादव ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा सदस्यों को बिहार और बिहारियों की माताओं, बहनों और बेटियों को गाली देने का आदेश दिया है। लालू ने लिखा कि क्या प्रधानमंत्री मोदी ने आज भाजपा सदस्यों को बिहार और बिहारियों की माताओं, बहनों और बेटियों को गाली देने का आदेश दिया है? गुजरातियों को बिहारियों को कम नहीं आंकना चाहिए। यह बिहार है। सोशल मीडिया पोस्ट में लालू यादव ने आगे लिखा कि भाजपा के गुंडे और बदमाश सम्मानित शिक्षकों, सड़कों पर चल रही महिलाओं, छात्रों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और पत्रकारों को गाली दे रहे हैं, मारपीट कर रहे हैं और उनके साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं? क्या यह उचित है? शर्मनाक! इस बीच, राजद नेता और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करते हुए उन पर बिहार की जनता से झूठे वादे करने का आरोप लगाया।

ऐतिहासिक जीएसटी कटौती!

आम आदमी का बजट होगा हल्का-परिवारों को मिलेगी राहत, उद्योग जगत ने बताया 'मील का पत्थर'

नई दिल्ली। एक ऐतिहासिक फैसले में, जीएसटी परिषद ने कर दरों में व्यापक कटौती को मंजूरी दे दी है जो 22 सितंबर से, नवरात्रि के पहले दिन से प्रभावी होगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक के बाद यह घोषणा की। इस कदम को 1 जुलाई, 2017 को पूरे भारत में लागू होने के बाद से जीएसटी व्यवस्था में सबसे बड़ा सुधार माना जा रहा है। सीतारमण ने कहा कि ये सुधार आम आदमी पर केंद्रित हैं और ज्यादातर मामलों में कर दरों में भारी कमी आई है। जीडीपी वृद्धि पर दरों के युक्तिकरण के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर सीतारमण ने कहा, मुझे लगता है कि इसका जीडीपी पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

उद्योग जगत ने जीएसटी परिषद के फैसले को दूरदर्शी करार देते हुए कहा कि इससे परिवारों को राहत मिलेगी और व्यवसायों के लिए अनुपालन आसान होगा। उद्योग निकायों ने कहा कि इससे स्पष्ट रूप से अनुपालन आसान होगा, मुकदमेबाजी कम होगी और व्यवसायों एवं उपभोक्ताओं को बहुप्रतीक्षित पूर्वानुमानशीलता मिलेगी। जीएसटी परिषद ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की पांच और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय दर संरचना को बुधवार को मंजूरी दी जो 22 सितंबर से लागू होगी।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने एक बयान में कहा, जीएसटी सुधारों का कदम एक बड़ी उपलब्धि है। रोजमर्रा की वस्तुओं तथा जरूरी कच्चे माल पर दरें कम करके, ये सुधार सभी परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करते हैं और वृद्धि की नींव मजबूत करते हैं।

फिक्की की महानिदेशक ज्योति विज ने कहा, ह्यह्य सरकार द्वारा जीएसटी ढांचे का पुनर्गठन और सरलीकरण भारत की सुधार यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कर स्लैब कम करने से कई वस्तुओं एवं सेवाओं को पांच प्रतिशत की योग्यता दर पर लाने से अर्थव्यवस्था को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। आने वाले दिनों में उपभोग मांग में वृद्धि की उम्मीद है।

जीएसटी सुधार आत्मनिर्भर भारत की राह में अहम कदम, विकसित देश बनेगा भारत: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। हाल के जीएसटी सुधारों की सराहना करते हुए, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इसे आत्मनिर्भर भारत सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। गोयल ने जोर देकर कहा कि 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ाएगा। फार्मा और हेल्थकेयर पर IPHEX 2025 अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कल के जीएसटी सुधार एक आत्मनिर्भर भारत सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम हैं, एक ऐसा भारत जो आत्मनिर्भर हो, एक ऐसा भारत जिसकी आपूर्ति श्रृंखलाएँ आत्मनिर्भर हों, एक ऐसा भारत जो प्रत्येक भारतीय की परवाह करे। पीयूष गोयल ने कहा कि 140 करोड़ भारतीय 2047 तक भारत को, विकसित भारत बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ एकजुट हो रहे हैं, एक ऐसा विकसित और समृद्ध राष्ट्र जहाँ सभी को अवसर मिले, जहाँ हर कोई भारत की समावेशी और सतत विकास गाथा का भागीदार बने। उन्होंने भविष्य में चुनौतियों और अनिश्चितताओं का सामना करने की भारत की क्षमता पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा देश भविष्य में बड़ी और बड़ी चुनौतियों का सामना करने के अपने आत्मविश्वास के संदर्भ में एक बड़ा बदलाव देख रहा है, भारत मजबूती से खड़ा है, भारत एकजुट है। भारत में कई परिस्थितियों का सामना करने का आत्मविश्वास है। हमने अतीत में ऐसा किया है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के साथ आगे बढ़ रही है, इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने 1.4 अरब भारतीयों के सामूहिक संकल्प और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि 2047 तक हम 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से बढ़कर 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। हम सभी के लिए हमारे कर्तव्य निर्धारित हैं। यह 1.4 बिलियन भारतीयों का सामूहिक संकल्प और प्रतिबद्धता है जो इस देश को शक्ति प्रदान करती है, जो हमें दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाती है, जो सुनिश्चित करती है कि पहली तिमाही में भी, अत्यधिक अस्थिर, अनिश्चित, उबासी जलवायु, भू-राजनीतिक जोखिमों के बावजूद, भारत 7.8% की दर से विकास करे और यह तभी संभव है।

साइबर सेंधमारी के कारण जगुआर लैंड रोवर का उत्पादन और खुदरा परिचालन हुआ बाधित

टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर ने मंगलवार को बताया कि साइबर सेंधमारी के कारण कंपनी की खुदरा और उत्पादन गतिविधियों में व्यवधान उत्पन्न हुआ।

ब्रिटिश ब्रांड जगुआर लैंड रोवर ने एक बयान में बताया कि इस साइबर घटना से कंपनी प्रभावित हुई है।

वाहन निर्माता ने एक बयान में बताया, हमने अपने सिस्टम को बंद कर इसके प्रभाव को कम करने के लिए तत्काल कार्रवाई की। अब हम अपने वैश्विक ऐप्लीकेशन को नियंत्रित तरीके से पुनः शुरू करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं।

बयान के मुताबिक, फिलहाल इस बात का कोई सबूत नहीं है कि किसी ग्राहक का डेटा चोरी हुआ या नहीं, लेकिन खुदरा और उत्पादन गतिविधियां बुरी तरह बाधित हुई हैं।

जीएसटी सुधारों से 12 प्रतिशत तक घट सकता है जम्मू-कश्मीर का राजस्व: मुख्यमंत्री अब्दुल्ला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि प्रस्तावित जीएसटी सुधारों से केंद्र शासित प्रदेश के राजस्व में 10 से 12 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। इससे वित्तीय संकट और बढ़ सकता है क्योंकि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद राज्य का राजस्व कम हो गया है।

उन्होंने जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में प्रसारित अपने लिखित संबोधन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त व्यवस्था स्थापित करने का आह्वान किया।

अब्दुल्ला ने कहा, पर्यटन, परिवहन, निर्माण, वाहन जैसे अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र अप्रैल, 2025 के बाद ठप हो गए हैं। प्रस्तावित सुधार हमारे जीएसटी राजस्व में 10 से 12 प्रतिशत की और कमी ला सकता है। इसलिए, जम्मू-कश्मीर के वित्त मंत्री के रूप में, मेरा मानना है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की वित्तीय स्थिरता के लिए उपयुक्त व्यवस्था और सुरक्षा उपाय स्थापित करना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर इस घटनाक्रम के विनाशकारी प्रभाव का जिक्र किया और स्थिति से निपटने के लिए, विशेष रूप से प्रस्तावित जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने के मद्देनजर, केंद्र से सहयोग करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम दरों को युक्तिसंगत बनाने के प्रस्ताव पर आगे बढ़ सकते हैं। साथ ही राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को उनकी राजकोषीय स्थिरता के लिए क्षतिपूर्ति करने को एक व्यवस्था बना सकते हैं और दरों युक्तिसंगत बनाने से होने वाले लाभों को देश की जनता तक पहुंचाने के लिए उपाय भी कर सकते हैं।

अब्दुल्ला ने कहा कि जीएसटी सुधारों में अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अप्रैल, 2025 की पहलगाम घटना से झटका लगने से पहले स्थानीय अर्थव्यवस्था नई ऊर्जा प्राप्त कर रही थी।

इस घटना और उसके बाद के घटनाक्रम ने पर्यटन, हस्तशिल्प, बागवानी और कृषि सहित प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों गंभीर रूप से प्रभावित किया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद से देश के सामने मौजूद वैश्विक चुनौतियों और आतंकवादी हमले के बाद उनके क्षेत्र पर पड़े गंभीर राजकोषीय दबावों का समाधान करने का भी आग्रह किया।

सेबी के नियमों का पालन न करने पर कोल इंडिया पर जुर्माना

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने कहा कि बीएसई और एनएसई ने उस पर कुल 10.72 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। कंपनी ने बताया कि यह जुमार्ना बोर्ड में अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं करने के चलते लगाया गया।

बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई), दोनों ने कोयला क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी पर अलग-अलग 5.36-5.36 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी को 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही में सेबी के प्रावधानों का पालन न करने के संबंध में एनएसई और बीएसई से नोटिस मिला है।

इस तरह के गैर-अनुपालन के लिए प्रत्येक ने 5,36,900 रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। कोल इंडिया घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देती है। कंपनी ने कहा कि यह गैर-अनुपालन उसकी किसी लापरवाही या चूक के कारण नहीं था और अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास भी किए गए थे।

वाराणसी नगर निगम का ग्रीन प्लान

अस्थायी तालाबों में होगा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन, नागरिकों से मांगे सुझाव

वाराणसी। नगर निगम ने दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन को पर्यावरण के अनुकूल और व्यवस्थित बनाने के लिए विशेष पहल शुरू की है। इस ग्रीन प्लान के तहत शहर के ऐतिहासिक कुंडों और तालाबों में विसर्जन की बजाय अस्थायी तालाब बनाए जा रहे हैं। शंकुलधारा कुंड के पास पहला अस्थायी तालाब तैयार हो चुका है, जहां विसर्जन कराया जाएगा।

नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने 28 अगस्त को नागरिकों से अपील की थी कि वे पर्यावरण संरक्षण और काशी की धरोहर को बचाने में सहयोग करें। उन्होंने लोगों से उपयुक्त स्थलों के सुझाव मांगे थे। अब तक 9 नागरिकों ने अपने सुझाव भेजे हैं, जिनमें विद्यानंद शर्मा ने सगरा तालाब (माधोपुरा), इशान मेहरोत्रा ने नुआव पोखरा, उमेश मौर्या ने बेनियाबाग तालाब, मनीष गुप्ता ने मोती झील (महमूरगंज), सत्यम सिंह ने पश्चिम बंगाल की तर्ज पर क्रेन से गंगा में विसर्जन और पुनः निकालने की व्यवस्था, धर्मेंद्र सिंह टिंकू ने दुगाकुंड और कुरुक्षेत्र तालाब, अजय सिंह ने कमौली तालाब और हरीश शर्मा ने गंगा पार अस्थायी कुंड का सुझाव दिया है।

महापौर अशोक कुमार तिवारी ने कहा कि काशी के प्राचीन कुंड सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर हैं। इनमें विसर्जन से गंदगी फैलने और जलीय जीवों को नुकसान होने का खतरा रहता है। इसलिए नागरिकों से अपील है कि विसर्जन इन्हीं धरोहरों में न करें, बल्कि वैकल्पिक स्थलों का प्रयोग करें।

नगर निगम ने नागरिकों, समितियों और जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि वे अपने क्षेत्र में विसर्जन के लिए उपयुक्त स्थल का नाम, जीपीएस लोकेशन और फोटो साझा करें। इसके लिए व्हाट्सएप नंबर 8601872688 जारी किया गया है। ग्रीन प्लान का उद्देश्य परंपरा और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना है। निगम का मानना है कि इस पहल से न केवल जलाशयों का संरक्षण होगा, बल्कि काशी की धार्मिक परंपराएं भी सुरक्षित रहेंगी। नगर निगम ने नागरिकों से इस मुहिम को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है।

वाराणसी की बेटी मनीषा का यूपीएसएसएससी में चयन

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में नियुक्ति, गांव में खुशी

वाराणसी। जिले की बेटी मनीषा ने मेहनत और लगन के बल पर बड़ा मुकाम हासिल किया है। रमना गांव निवासी मनीषा का चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) के माध्यम से हुआ है। उन्हें बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में मुख्य सेविका (पर्यवेक्षक अधिकारी) के पद पर नियुक्ति मिली है। नियुक्ति पत्र मिलते ही परिवार और गांव में खुशी की लहर दौड़ गई।

मनीषा के पिता नन्हकू राम बिजली विभाग से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं, जबकि मां सुमन देवी गृहणी हैं। पिता ने बेटी की पढ़ाई-लिखाई पर हमेशा जोर दिया और हर संभव सहयोग किया। परिणामस्वरूप मनीषा ने यह उपलब्धि हासिल की। उनकी मां सुमन देवी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बचपन से ही मनीषा पढ़ाई में तेज रही है। वह हर कार्य मेहनत, लगन और जुनून से करती है और यही उसकी सफलता की कुंजी रही है।गांव के प्रधान अमित पटेल ने कहा कि मनीषा की यह उपलब्धि गांव की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी। इस नियुक्ति से लड़कियों का मनोबल बढ़ेगा और उन्हें शिक्षा तथा सरकारी सेवा में आगे बढ़ने का उत्साह मिलेगा। गांव में मनीषा को बधाई देने का सिलसिला लगातार जारी है।

बारिश के बाद गिरा तापमान

गर्मी से मिली थोड़ी राहत

वाराणसी। जिले में बारिश थमने के बाद गुरुवार को सुबह के वक्त तेज धूप ने लोगों को खूब पसीना बहाने पर मजबूर कर दिया। हालांकि, दोपहर में बादलों की सक्रियता के चलते धूप-छांव का खेल जारी रहा। बुधवार रात हुई बारिश ने भले ही तापमान को नीचे गिरा दिया था, लेकिन दिन चढ़ते ही धूप असह्य हो गई। बुधवार दोपहर दो बजे तक तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि रात 10 बजे यह गिरकर 28 डिग्री तक आ गया। न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस रहा। भोर में 15 मिमी बारिश भी रिकॉर्ड की गई। आंकड़ों के मुताबिक, इस मानसून सीजन में जिले में अब तक 873.3 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य औसत से 35 प्रतिशत अधिक है। मौसम पूर्वानुमान में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। 9 सितंबर तक कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश भी हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार उमस और बीच-बीच में हो रही बारिश के कारण मौसम अस्थिर बना हुआ है। दिन में धूप से तापमान बढ़ता है और रात में बारिश से राहत मिल जाती है। अगले कुछ दिनों तक लोगों को ऐसे ही बदलते मौसम का सामना करना पड़ सकता है।

गड्ढों से भरी सड़क पर आवागमन दूभर

सपा कार्यकर्ताओं ने गड्ढे में बैठकर किया प्रदर्शन

वाराणसी। पहाड़ी-नकाईन मार्ग की बदहाल हालत को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को मुसरा में अनोखा प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता सड़क पर बने गहरे गड्ढों में बैठकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान शासन-प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। चेताया कि यदि जल्द सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

सपा नेता अरुण यादव ने बताया कि यह मार्ग लंबे समय से जर्जर है। रोजाना हजारों लोग इसी सड़क से आवागमन करते हैं, लेकिन गड्ढों की वजह से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चे अक्सर सड़क पर गिर जाते हैं और कभी-कभी गाड़ियाँ गड्ढों में फंसकर लंबा जाम लगा देती हैं।

स्थानीय लोगों ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि सड़क मरम्मत की शिकायत कई बार अधिकारियों तक पहुंचाई गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में समस्या और ज्यादा विकराल हो गई है।

विरोध प्रदर्शन में वंदना सिंह, राजू यादव, अनुपम कुमार, नितिन पांडेय और अमन यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। लोगों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द सड़क की मरम्मत नहीं की गई, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

किसानों ने सीखा मशरूम उत्पादन का गुर

वाराणसी। कृषि विज्ञान केंद्र, कल्लीपुर, वाराणसी द्वारा आयोजित मशरूम उत्पादन तकनीकी विषयक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन बुधवार को किसानों का प्रक्षेत्र भ्रमण आयोजित किया गया। इस दौरान किसानों ने मशरूम उत्पादन की बारीकियों को नजदीक से समझा और तकनीकी जानकारी हासिल की। केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक एवं विषय समन्वयक डॉ. राहुल कुमार सिंह के नेतृत्व में किसानों की टोली ने असवारी गांव का दौरा किया। वहां उन्होंने प्रगतिशील किसान दिलीप पांडेय की बटन मशरूम उत्पादन एवं कंपोस्ट निर्माण इकाई का अवलोकन किया। डॉ. सिंह ने बताया कि बटन मशरूम उत्पादन में खाद (कंपोस्ट) की गुणवत्ता बेहतर उपज और अच्छी क्वालिटी की गारंटी देती है।

सीओपी शुल्क के नाम पर प्रदेश के अधिवक्ताओं का शोषण हो बंद : राकेश शरण मिश्र

सोनभद्र। संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चेयरमैन और सचिव को संबोधित पत्र लिख कर सी ओ पी शुल्क कम पर सवाल खड़ा करते हुए इसमें पुनर्विचार की मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि अभी कुछ माह पूर्व आप द्वारा प्रदेश के समस्त नव पंजीकृत अधिवक्ताओ से सीओपी शुक्ल के नाम पर 14500 रुपए शुल्क देने की बात कही गई है जो अधिवक्ता अधिनियम 1961 के विरुद्ध है और माननीय उच्चतम न्यायालय मंशा के विपरीत है।

श्री मिश्र ने पत्र ने लिखा है कि बार कौंसिल के इस आदेश से प्रदेश के लाखों अधिवक्ताओं में आक्रोश बयाप्त है और प्रदेश के अधिवक्ताओं का कहना है कि बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश नए प्रवेशी अधिवक्ताओं पर सी ओ पी के नाम पर 14500 शुल्क की मांग करके अनावश्यक आर्थिक बोझ डाल रही है और नए अधिवक्ताओं का शोषण कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा है कि COP जारी करने के नाम पर 14500 रुपए अनावश्यक शुल्क की मांग भी औचित्यहीन है जिसे या तो निःशुल्क किया जाए या पूर्व की भांति लिया जाए। श्री मिश्र ने मांग की है कि देश/प्रदेश के समस्त अधिवक्ताओं की भावना और उनकी मांग पर गंभीरता पूर्वक विचार कर जारी आदेश में संशोधन करें। बताते चले कि श्री मिश्र इसके पूर्व भी सी ओ पी शुल्क को लेकर बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश को कई बार पत्र लिख चुके हैं।

भरथरा में आईसीटी लैब में आधुनिक तकनीक से रूबरू हो रहे बच्चे

वाराणसी। विकासखण्ड काशी विद्यापीठ के कंपोजिट विद्यालय भरथरा के बच्चे अब आईसीटी लैब से आधुनिक तकनीक से रुबरु हो रहे हैं।।

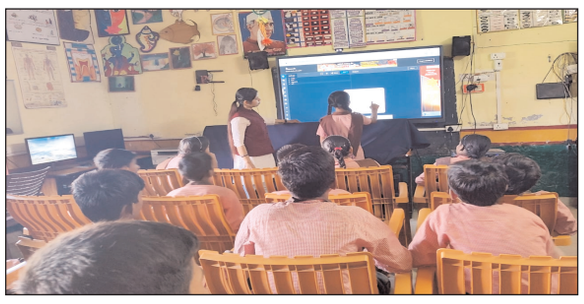

इसके माध्यम से विज्ञान और सूचना तकनीक की जानकारी बच्चों को आसानी से मिल रही है।विकासखण्ड काशी विद्यापीठ के खंड शिक्षा अधिकारी रामपूजन पटेल ने कहा कि भरथरा में आईसीटी लैब के शुरू होने से विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को आधुनिक तकनीक से रूबरू होने का अवसर मिल रहा है। बच्चे विज्ञान और सूचना तकनीक के माध्यम से अपनी समझ को ज्यादा बेहतर बना पा रहे हैं जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को काफी लाभ मिल रहा है।शिक्षकों को बताया कि बच्चों को नियमित रूप से रूटीन के अनुसार आईसीटी लैब में शिक्षा दें।निर्देशित किया कि कक्षा 6 से 10 तक के सभी बच्चों को सप्ताह में तीन-तीन दिन आईसीटी लैब में कंप्यूटर और सूचना तकनीक की सैद्धांतिक और प्रायोगिक जानकारी दी जाए।

उजाला संचार - मुद्रक, प्रकाश, प्रधान संपादक महेंद्र कुमार सोनकर द्वारा मीडिया टेक्स्ट, प्रा.लि. गोबिंदपुर, जीटी रोड, रोहनिया (वाराणसी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। भिखारीपुर, बीएलडब्ल्यू, शहर वाराणसी, (उ.प्र.)। संपर्क : 0542-4059021, 9696104265, 9696104269
समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के लिए समस्त वाद वाराणसी न्यायाल के अधीन होंगे।